कोटद्वार, शुक्रवार
6 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 278 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

अलकनंदा नदी में युवक बहा, खोजबीन जारी

श्रीनगर गढ़वाल : होली के दिन कमलेश्वर घाट के पास अलकनंदा नदी में नहाते समय एक युवक बह गया। मौके पर पहुंची पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने नदी में सर्च अभियान चलाया, लेकिन गुरूवार शाम तक भी उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। बता दें कि बीते वर्ष भी गढ़वाल विवि के दो छात्रों की नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई थी। कोतवाली निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि मंगलवार को लगभग तीन बजे दीपक कुमार (25) पुत्र शिवशंकर राम निवासी दिलही, जिला दरभंगा, बिहार नदी में नहाने गया। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया। लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने तत्काल सर्च अभियान चलाया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पाया। गुरूवार को भी उसकी खोज की गई मगर कोई पता नहीं चल पाया। कहा कि सर्च टीम के साथ युवक के रिश्तेदार भी रहे। युवक यहां मजदूरी करता था। बीते वर्ष भी होली के दिन गढ़वाल विवि के दो छात्रों की अलकनंदा नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई थी जबकि एक छात्र को बचा लिया गया था। मरने वाले दोनों छात्र बिहार के मुजफ्फपुर जिले के रहने वाले थे। (एजेंसी)

सिडकुल में सड़क हादसे के बाद युवक की मौत

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र में हैवल्स कंपनी के पास हुए सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। थाना प्रभारी नितेश शर्मा के अनुसार, बुधवार को हैवल्स कंपनी के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मारी और चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया। जिला अस्पताल में इलाज के बाद युवक को एम्स रेफर कर दिया गया। बताया गया कि एम्स ले जाते समय रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान सुमन (23) पुत्र रमलाल निवासी कटनी लैंसडौन पौड़ी के रूप में हुई। एसओ नितेश शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस मामले की जांच की जा रही है।

रंजिश में प्रधान के घर धावा, 15 से अधिक घायल

हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र के रावली महदूद गांव में होली के दिन पुरानी रंजिश खूनी संघर्ष में बदल गई। आरोप है कि 20 से अधिक लोग लाठी-डंडों से लैस होकर ग्राम प्रधान प्रमोद पाल के घर में घुस आए और मारपीट के साथ तोड़फोड़ की। इस हमले में प्रमोद, उनके भाई मनोज समेत 15 से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर कई वाहनों से गांव पहुंचे और सीधे प्रधान के घर पर धावा बोल दिया। घर के भीतर मौजूद लोगों को निशाना बनाते हुए लाठी-डंडों से हमला किया गया। आरोप है कि महिलाओं और बच्चों के साथ भी मारपीट की गई। काफी देर तक घर में तोड़फोड़ और उत्पात मचाया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रमोद और मनोज को सिर पर गंभीर चोट आई है। बताया जा रहा है कि मारपीट में दूसरे पक्ष के भी कुछ लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर जांच की।

धुएं से आंखों में हो रही जलन, सांस लेने में दिक्कत

चमोली। जंगलों में आग से वन संपदा तो नष्ट हो रही है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर पड़ रहा है। आंखों में जलन के साथ सांस के रोगियों को दिक्कत हो रही है। बृहस्पतिवार को आंखों में जलन की दिक्कत के साथ कुछ लोग अस्पताल भी पहुंचे। बदरीनाथ और केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग के जंगलों में अलग-अलग जगहों पर तीन दिनों से आग लगी है।

ऐसे में पूरे क्षेत्र में आग का धुआं फैला हुआ है। इससे लोगों को आंखों में जलन के साथ सिर में दर्द हो रहा है। उप जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. बीपी पुरोहित के अनुसार दो लोग आंखों में जलन और सिददर्द की समस्या लेकर अस्पताल आए।

पश्चिम एशिया और यूक्रेन पर मोदी की अपील

जल्द खत्म हो संघर्ष, शांति हो बहाल

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री ने गुरुवार को कहा कि किसी भी समस्या का समाधान केवल सैन्य संघर्ष से नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भारत "कानून के शासन, संवाद और कूटनीति" में विश्वास करता है और यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया–हर जगह शांति बहाली के प्रयासों का समर्थन करेगा।

नई दिल्ली में (फिनलैंड के राष्ट्रपति) के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत इस बात पर सहमत हैं कि अंतरराष्ट्रीय विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीतिक रास्तों से ही संभव है। उन्होंने कहा, "हम मानते हैं कि कोई भी मुद्दा केवल सैन्य टकराव से हल नहीं हो सकता। चाहे मामला ही२३ अ२ं का हो या व'१ल्ली का, भारत संघर्ष के जल्द अंत और शांति के हर प्रयास का समर्थन करता रहेगा।"

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार जरूरी और तत्काल आवश्यकता है। यह बयान भारत की लंबे समय से चली आ रही मांग में सुधार–के संदर्भ में दिया गया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को हर रूप में खत्म करना भारत और फिनलैंड की साझा प्रतिबद्धता है।

फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब ने भी क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया और यूक्रेन दोनों क्षेत्रों में संघर्ष जारी है और रूस द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध चार साल से अधिक समय से चल रहा है। उनके मुताबिक स्थायी शांति तभी संभव है जब वह संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों का सम्मान करे।

इससे पहले 3 मार्च को भारत ने पहली बार इजरायल और अमेरिका के हमलों में मौत के बाद क्षेत्र की स्थिति को "ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष" बताया था। भारत ने इस हिंसा में हुई मौतों पर दुख जताया और स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा कि क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति को लेकर भारत चिंतित है, क्योंकि इसका असर वहां रह रहे भारतीय नागरिकों, व्यापार और यातायात पर पड़ सकता है।

हालिया हमलों में कुछ भारतीय नागरिकों के मारे जाने या लापता होने की भी जानकारी मिली है। भारत ने क्षेत्रीय तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक पहल भी तेज की है। प्रधानमंत्री मोदी ने नेताओं से बातचीत कर उनकी संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की और संवाद व कूटनीति के जरिए जल्द शांति बहाल करने पर जोर दिया। इससे पहले वे नेताओं से भी इसी मुद्दे पर चर्चा कर चुके हैं।

सड़क हादसे के मामले में बस चालक को दोषमुक्त, 14 साल बाद आया फैसला

विकासनगर। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रविशंकर मिश्रा की अदालत ने वर्ष 2011 में हुए सड़क हादसे के मामले में बस चालक को दोषमुक्त कर दिया है। अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में आरोपी के खिलाफ आरोप सिद्ध न होने पर यह निर्णय सुनाया। अभियोजन के अनुसार अनिता पुत्री बहादुर सिंह मूल निवासी ग्राम किस्तूड़ थाना त्यूणी अपनी रिश्तेदारी में लक्ष्मणपुर डाकपत्थर रोड क्षेत्र में रह रही थी। 27 दिसंबर 2011 को वह डाकपत्थर कॉलेज से बस से वापस घर लौट रही थी। दोपहर करीब 12 बजे डाकपत्थर रोड स्थित पोस्ट ऑफिस के पास बस से उतरते समय बस चालक द्वारा कथित रूप से लापरवाही से बस आगे बढ़ाने पर वह गिर गई। गंभीर चोट लगने के कारण उसे लेहमन अस्पताल ले जाया गया। वहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद 29 दिसंबर 2011 को कोतवाली विकासनगर में बस चालक धर्मेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 12 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट, पंचायतनामा, एफआईआर समेत कई दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। वही, बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि एफआईआर घटना के दो दिन बाद दर्ज कराई गई। वादी घटना का प्रत्यक्षदर्शी नही है। इसके साथ बस कंडक्टर और हेल्पर को गवाह नही बनाया गया। गवाहों के बयानों में भी विरोधाभास पाया गया।

चारधाम यात्रा 2026: ऑनलाइन पंजीकरण आज से शुरू

सुबह 7 बजे से करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

, देहरादून। चारधाम यात्रा–2026 की तैयारियों के बीच श्रद्धालुओं के लिए आनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुक्रवार छह मार्च से शुरू की जा रही है। पंजीकरण सुबह सात बजे से आरंभ होगा।

राज्य सरकार ने यात्रियों की सुविधा और यात्रा को व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इस बार भी आनलाइन पंजीकरण व्यवस्था लागू की है। जिलाधिकारी सविन बंसल के अनुसार चारधाम यात्रा के लिए वेबसाइट के माध्यम से श्रद्धालु आनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे।

इसके अलावा मोबाइल ऐप के जरिए भी रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। चारधाम यात्रा के अंतर्गत इस वर्ष यमुनोत्री व गंगोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल को खुलेंगे।

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को, जबकि बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। वहीं, हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने की अभी घोषणा होना शेष है। चारधाम यात्रा में आने वाले भारतीय श्रद्धालु आधार कार्ड के माध्यम से पंजीकरण करा सकेंगे, जबकि विदेशी श्रद्धालुओं के लिए ई–मेल आईडी के जरिए पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिन श्रद्धालुओं के पास आधार कार्ड उपलब्ध नहीं है, उनके लिए पिछले वर्ष की तरह ही इस बार भी आफलाइन पंजीकरण केंद्रों की व्यवस्था की गई है।

यात्रा से पूर्व आफलाइन पंजीकरण की सुविधा 17 अप्रैल से शुरू होगी। इसके लिए देहरादून और हरिद्वार में

विशेष पंजीकरण केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

17 अप्रैल से खुलेंगे आफलाइन पंजीकरण

ऋषिकेश स्थित यात्रा पंजीकरण केंद्र और ट्रांजिट कैंप, हरिद्वार का ऋषिकुल ग्राउंड व देहरादून के विकासनगर में पंजीकरण केंद्र शामिल हैं।

श्रद्धालुओं की सहायता के लिए पर्यटन विभाग की ओर से टोल फ्री नंबर 0135–1364 पर 24 घंटे काल सेंटर की व्यवस्था भी की गई है, जहां यात्रा से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।

राज्य सरकार ने चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए यात्रा से पहले अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराएं। इससे यात्रा मार्गों पर भीड़ प्रबंधन और सुविधाओं के संचालन में मदद मिलेगी।

ईरान युद्ध का भारत पर असर: खाद, रफ डायमंड सहित कई वस्तुओं की किल्लत की आशंका

नई दिल्ली। ईरान युद्ध के थमने की संभावना नहीं देख निर्यातक व आयातक दोनों की चिंता बढ़ती जा रही है। खाद से लेकर रफ डायमंड व सिंथेटिक यार्न जैसे आइटम की किल्लत की आशंका पैदा हो गई है। पोलीथिलीन जैसे औद्योगिक कच्चे माल की भी कमी महसूस की जाने लगी है।कई निर्यातकों ने उत्पादन की गति को धीमा कर दिया है। हालांकि आयात–निर्यात में आने वाली बाधा पर नजर रखने एवं उसे दूर करने में मदद के लिए एक अंतर–मंत्रालीय कमेटी बनाई गई है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय रियल टाइम के आधार पर तमाम चीजों की निगरानी कर रहा है और मंत्रालयों की आपसी सहभागिता में भी मदद कर रहा है। निर्यातकों का यह भी कहना है कि ऐसी स्थिति में वे अमेरिकी शुल्क में कटौती का भी फायदा नहीं उठा पा रहे हैं।

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अमेरिका ने अगले 150 दिनों के लिए सभी देशों पर एक समान 10 प्रतिशत का शुल्क कर दिया है। ऐसे में भारतीय निर्यातकों को इस महीने अमेरिका में बंपर निर्यात करने की उम्मीद थी।

पश्चिम एशिया से 100 अरब डॉलर का आयात करता है भारत

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत पश्चिम एशिया से करीब 100 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का आयात करता है। इनमें बड़ी हिस्सेदारी पेट्रोलियम पदार्थ और गैस की है। लेकिन रफ डायमंड के साथ सिंथेटिक यार्न के अधिकतर आयात पश्चिम एशिया से ही है।

भारत सालाना 3.7 अरब डालर की खाद का आयात भी पश्चिम एशिया के देशों से करता है। कृषि संबंधी 50 प्रतिशत निर्यात इसी क्षेत्र में होता है। ईरान, इराक, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब व यूएई, इजरायल जैसे देश पश्चिमी एशिया के देशों में शामिल हैं।

इन वस्तुओं की बढ़ जाएंगी कीमतें

भारत पश्चिम एशिया से पिछले साल 3.7 अरब डॉलर की खाद का आयात किया था। नाइट्रोजन खाद का 30 प्रतिशत इस क्षेत्र से ही आयात किया जाता है। युद्ध लंबा चलने पर इनकी सप्लाई बाधित होगी जिससे इन वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाएंगी। वैसे ही, वर्ष 2025 में भारत ने 6.8 अरब डॉलर के रफ डायमंड का पश्चिम एशिया से आयात किया था जो रफ डायमंड के कुल आयात का 40 प्रतिशत है।

रफ डायमंड का आयात कर उसमें वैल्यू एडिशन करके उसका निर्यात किया जाता है। सूरत इसका सबसे बड़ा गढ़ है जहां लाखों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। सिंथेटिक यार्न और मैनमेड फाइबर का आयात स्ट्रेट ऑफ हरमुज के रूट से होने से इसकी लागत तीन से चार गुना बढ़ गई है। पिछले दो दिनों में मैनमेड फाइबर की कीमत में 10 रुपए प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी हो चुकी है।

पैकेजिंग के साथ प्लास्टिक पाइप के निर्माण में इस्तेमाल होने वाला 35 प्रतिशत पोलीथिलीन का आयात पश्चिम एशिया के देशों से होता है।

पुरानी रंजिश में ट्रक से कुचलकर कुक की हत्या

रुड़की। पुलिस ने होटल में कुक का काम करने वाले युवक की हत्या में आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने युवक के साथ पहले शराब पी और उसके बाद ट्रक से कुचलकर मार डाला। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ट्रक भी बरामद कर लिया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक राहुल शराब के नशे में उसकी भांजियों पर अश्लील टिप्पणियां करता था। इसी रंजिश में उसने युवक की हत्या कर दी। प्रताप कॉलोनी निवासी एक महिला ने पुलिस को बुधवार को तहरीर दी कि उसके पति 26 वर्षीय राहुल कुमार की टोल प्लाजा के पास ट्रक से कुचलकर हत्या कर दी गई है। महिला ने बताया कि उसका पति राहुल एक होटल पर खाना बनाने का काम करता था। एसएसपी के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक राजीव रौथाण के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने आरोपी राजीव पुत्र शीशपाल निवासी बागपत, उत्तर प्रदेश को हिरासत में लिया। पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की।

राज्य की पहली जनजाति लोकगायिका रिंकू राणा की हादसे में मौत

रुद्रपुर। राज्य की प्रथम जनजाति लोकगायिका रिंकू राणा की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह गुरुवार को होली खेलने अपने मायके बिडौरी आई थीं। ग्राम बिचपुरी में ट्रैक्टर ट्रॉली ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी भतीजी घायल हो गई। थारू समाज की प्रसिद्ध लोकगायिका ग्राम पूरनगढ़ नौगजा निवासी 36 वर्षीय रिंकू राणा पत्नी महेश राणा, बंटी राणा म्यूजिकल ग्रुप की लोकगायिका थीं।

गुरुवार दोपहर वह अपनी 10 वर्षीय भतीजी आयिस्का के साथ बरुआबाग से स्कूटी से बिडौरी की ओर जा रही थीं। इसी दौरान बिचपुरी में ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में रिंकू राणा गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि उनकी भतीजी को हल्की चोटें आई हैं। रिंकू राणा थारू समाज की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं। उन्होंने बंटी राणा म्यूजिकल ग्रुप बनाकर राज्य समेत देशभर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया था। हाल ही में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के खटीमा स्थित आवास पर आयोजित होली महोत्सव में भी उन्होंने होली गायन किया था। वह थारू संस्कृति के पारंपरिक गीतों के साथ–साथ हिन्दी, कुमाउनी गीत और भजन भी गाती थीं। बचपन से ही वह अपने भाई के साथ भजन गाया करती थीं। उनका नौ वर्षीय पुत्र निशांत सिंह है। उनके भाई गौतम सिंह राणा भी भजन गायक हैं। रिंकू राणा तीन भाइयों की इकलौती बहन थीं।

उनके निधन पर विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों, गायकों सहित पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा, जिला पंचायत सदस्य भास्कर सम्मल, बिशन दत्त जोशी और तमाम जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक व सामाजिक संगठनों ने शोक जताया है। भास्कर सम्मल ने रिंकू के निधन की जानकारी सीएम पुष्कर सिंह धामी को दी। सीएम ने रिंकू के निधन पर शोक जताते हुए इसे अपूर्णीय क्षति बताया है। कोतवाल मंजू पाण्डे ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

भारत को मजबूत हाथों की जरूरत, राहुल गांधी का पीएम पर निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हिंद महासागर में श्रीलंका की समुद्री सीमा के निकट ईरानी जहाज को डूबने की अमेरिकी कार्रवाई को सरकार की रणनीतिक लापरवाही बताते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश को एक मजबूत हाथ की जरूरत है, लेकिन उसके पास आज एक समझौता करने वाला प्रधानमंत्री है जिसने हमारी रणनीतिक स्वतंत्रता को को सरेंडर कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत का मेहमान ईरानी जहाज बिना हथियार लौट रहा था जिस पर हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से हमला हुआ पर पीएम मोदी चचता या दुख जताने की बजाय चुप हैं।राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा 'दुनिया एक उतार–चढ़ाव वाले दौर में आ गई है। आगे तूफानी समुद्र आने वाला है। भारत की तेल सप्लाई खतरे में है। हमारा 40 प्रतिशत से ज्यादा आयात होर्मुज स्ट्रेट से गुजरता है।

ईरानी जहाज डूबने पर पीएम मोदी की चुप्पी

एलपीजी–एलएनजी के लिए हालत और भी खराब है। यह लड़ाई हमारे आस–पास तक पहुंच गई है। एक ईरानी जंगी जहाज चद्द महासागर में डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा है। ऐसे समय में हमें एक मजबूत हाथ की जरूरत है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों को बिना सोचे–समझे कैसे छोड़ दिया है यह सब देख सकते हैं। जब आप अपने आस–पास हो रही घटनाओं पर पीएम कुछ बोल नहीं सकते तो चद्द महासागर क्षेत्र में भारत के 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' होने पर लेक्र क्यों दे रहे हैं।

नाविकों की सुरक्षा पर चिंता जताई

होर्मुज की खाड़ी में 38 भारतीय व्यावसायिक जहाज और 1100 नाविक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत दो भारतीय की मौत हो गई है तो कोई समुद्री बचाव–राहत आपरेशन क्यों नहीं चल रहा है।

नाबालिग से अनैतिक देह व्यापार कराने के गिरोह का खुलासा

काशीपुर। पुलिस ने दस माह पूर्व संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई नाबालिग से देह व्यापार कराने के आरोप में मंगलवार की रात दो महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी नाबालिग को गांव हरियावाला स्थित एक घर में बंधक बनाकर देह व्यापार कराते थे। पुलिस ने नाबालिग को भी बरामद किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया है। बीते तीन मार्च को एक व्यक्ति ने आईटीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंपी। बताया कि बीते 17 मई को उसकी 15 वर्षीय बेटी अचानक गायब हो गई थी। कहा कि उसे किसी अज्ञात व्यक्ति ने सूचना दी कि उनकी नाबालिग बेटी हरियावाला में जाहिद के मकान में महिला के साथ रह रही है और उन लोगों ने उसे बंधक बना रखा है। वह उसे जबरदस्ती देह व्यापार कराकर उसका गैंगरेप भी करते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मंगलवार की रात दबिश देकर सरदार नगर मुरादाबाद व हाल ग्राम इस्लामनगर, हरियावाला निवासी जाहिद पुत्र शाहिद, ग्राम मानपुर गजरौला थाना भगतपुर व हाल महुआखेड़ागंज निवासी शिवम पुत्र नेपाल सिंह, सोमा उर्फ जानवी व शोभा रानी को गिरफ्तार कर मौके से नाबालिग को बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश किया।

चौबट्टिया में भारत और जापान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्डियन शुरु

देहरादून। भारत और जापान के बीच सातवां संयुक्त सैन्य अभ्यास ह्यधर्म गार्डियनह्न उत्तराखंड के चौबटिया स्थित फॉरेन ट्रेनिंग केंद्र में जारी है। जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) कर्नल मनीष श्रीवास्तव के मुताबिक यह अभ्यास नौ मार्च 2026 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य साझा सुरक्षा चुनौतियों और वैश्विक आतंकवाद के बदलते खतरे को ध्यान में रखते हुए भारतीय सेना और जापान ग्राउंड सेल्फ–डिफेंस फोर्स के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत करना है। कर्नल मनीष श्रीवास्तव के मुताबिक संयुक्त सैन्य अभ्यास में दोनों देशों के 120–120 सैनिक भाग ले रहे हैं। जापान ग्राउंड सेल्फ–डिफेंस फोर्स का दल 32 वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों का प्रतिनिधित्व कर रहा है, जबकि भारतीय सेना की ओर से लद्दाख स्काउट्स की टुकड़ी इसमें शामिल है। अभ्यास के पहले दिन एकीकरण और मार्गदर्शन गतिविधियों के साथ शुरुआत की गई। इसके बाद से संयुक्त प्रशिक्षण को तेज किया गया है, जिसका उद्देश्य अर्ध–शहरी परिस्थितियों में संयुक्त अभियानों की क्षमता को बढ़ाना है। प्रशिक्षण के दौरान उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना, पारस्परिक समन्वय और वास्तविक फील्ड परिस्थितियों में समन्वित सामरिक अभ्यासों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभ्यास की प्रमुख गतिविधियों में अस्थायी ऑपरेटिंग बेस की स्थापना, इंटेलिजेंस–सर्विलांस–रिकॉनिसेंस ग्रिड का निर्माण, मोबाइल वाहन चेक पोस्ट की स्थापना, शत्रुतापूर्ण वातावरण में घेराबंदी और तलाशी अभियान, हेलिबोर्न ऑपरेशन एवं हाउस इंटरवेंशन ड्रिल का अभ्यास शामिल है। यह अभ्यास दोनों सेनाओं के सैनिकों के बीच आपसी मित्रता और सौहार्द को बढ़ावा दे रहा है। इसके साथ ही भारत–जापान रक्षा साझेदारी को और सुदृढ़ कर रहा है।

होली के दिन सड़क हादसों में 2019 के बाद सबसे कम मौतें

22 दुर्घटनाओं में चार की गई जान

नई दिल्ली। इस वर्ष होली के उत्सव के दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सड़क दुर्घटनाओं में चार लोगों की जान गई है। यह आंकड़ा 2019 के बाद से होली के दिन दर्ज की गई सबसे कम मौतों की संख्या है, जो यातायात पुलिस द्वारा जारी किया गया है। पांच मार्च को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, चार मार्च को पूरे शहर में कुल 22 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें चार घातक दुर्घटनाएं और 18 छोटी दुर्घटनाएं शामिल थीं। इन दुर्घटनाओं में कुल चार लोगों की मौत हुई, जबकि 18 लोग घायल हुए।

पिछले वर्षों की तुलना में मौतों में कमी

पुलिस ने बताया कि इस वर्ष मौतों का आंकड़ा पिछले कई वर्षों में होली के दिन दर्ज की गई सबसे कम संख्या है। इसकी तुलना में, 2019 में होली पर सड़क दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत हुई थी, जबकि 2020 में नौ मौतें दर्ज की गई थीं। 2021 में यह संख्या घटकर पांच हो गई थी, लेकिन 2022 और 2023 में यह बढ़कर 10–10 हो गई थी। 2024 में मौतों की संख्या बढ़कर 14 हो गई थी, इससे पहले कि पिछले साल छह और इस साल चार की गिरावट दर्ज की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि त्योहार के दौरान दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पूरे शहर में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाए गए, कर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई और नशे में ड्राइविंग के खिलाफ जांच की गई। प्रमुख चौराहों, मुख्य सड़कों और होली की बड़ी सभाओं वाले क्षेत्रों में टीमों को तैनात किया गया था ताकि यातायात की आवाजाही की निगरानी की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि वाहन चालक सुरक्षा मानदंडों का पालन करें।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास भीषण आग

70 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक, एक लड़की का शव बरामद

दिल्ली में रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास झुग्गियों में बृहस्पतिवार सुबह आग लग गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही करीब 15 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया।

दमकल विभाग के मुताबिक, आग सुबह 4.15 पर लगी थी, आग में करीब 70 से 80 झुग्गियां जलकर राख हो गई है। आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। दमकल विभाग की ओर से तलाशी का काम भी जारी है। रिठाला झुग्गी फायर डिपार्टमेंट से एडीओ सीएल मीणा ने कहा कि आग में एक लड़की की जली हुई बॉडी मिली है और उसे पुलिस को सौंप दिया गया है।

लाखों की लागत पर फिरा पानी, सीधे भागीरथी में गिर रहा सीवेज

उत्तरकाशी। नगर क्षेत्र के गंगोरी में लाखों की लागत से बना सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट जर्जर होने के साथ ही उसके आसपास झाड़ियां उग पाई है। इससे एक बड़ा क्षेत्र अभी तक सीवरेज ट्रीटमेंट योजना से नहीं जुड़ पाया है। इससे सीवेज प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सीधा अस्सी गंगा और भागीरथी नदी में जा रहा है लेकिन निर्माण एवं अनुरक्षण ईकाई (गंगा) पेयजल निगम की ओर से इसके सुधारीकरण के लिए कदम नहीं उठाए गए हैं। पूर्व सभासद देवेंद्र चौहान ने कहा कि गंगोरी क्षेत्र को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से जोड़ने के लिए वर्षों पूर्व विभाग की ओर से निर्माण तो किया गया लेकिन उसके बाद लाखों की धनराशि खर्च करने के बाद अभी तक इसका प्रयोग नहीं हो पाया है। साथ ही भागीरथी नदी में आई बाढ़ में भी इसका कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। निर्माण एवं अनुरक्षण ईकाई (गंगा) पेजयल निगम की अनदेखी के कारण गंगोरी का एक बड़ा क्षेत्र अभी तक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से नहीं जुड़ पाया है जबकि पिछले पांच से छह वर्षों में गंगोरी में जनसंख्या में लगातार वृद्धि हुई है।

सम्पादकीय

जच्चा बच्चा की जान से खिलवाड़

सरकारी विभागों की कार्यशैली को लेकर यूं तो सवाल उठते ही आए हैं लेकिन इधर गर्भवती महिलाओं एवं जन्म लेने वाले बच्चों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में किस प्रकार से मनको की की खिल्लियां उड़ाई जा रही थी इसका सनसनीखेज खुलासा आंगनबाड़ी के गोदाम में हुआ है। देहरादून के जिलाधिकारी ने एक समीक्षा बैठक से लौटते समय रुड़की स्थित आंगनबाड़ी सामग्री के गोदाम का निरीक्षण किया तो सब कुछ बेहद निम्न गुणवत्ता के साथ–साथ मानकों के विपरीत पाया गया। असल में रुड़की स्थित गोदाम सेआंगनबाड़ी केंद्रों पर आपूर्ति हो रही सामग्री की खराब गुणवत्ता की शिकायतें मिल रही थी। हैरानी की बात यह है कि इस गोदाम में निरीक्षण के दौरान बाल श्रमिक काम करते हुए पाए गए। इसके अलावा खजूर एवं केले के चिप्स पर मैन्युफैक्चर एवं एक्सपायरी तिथि भी संदिग्ध पाई गई। यानी कि इस गोदाम में सब कुछ गलत ही चल रहा था जिस पर कभी किसी अधिकारी ने निगरानी रखने की कोशिश ही नहीं की जबकि गढ़वाल एवं कुमाऊंके तमाम आंगनबाड़ी केदो में अंडों से लेकर अन्य दूसरी खाद्य सामग्रियों में लगातार गुणवत्ता को लेकर शिकायत मिल रही थी। यहां कई सामग्री पर मैन्युफैक्चर एवं एक्सपायरी तिथि का उल्लेख तक नहीं मिला। पूरा का पूरा गोदाम ही मनमाने तरीके से चल रहा था जिसमें ना तो तापमान को उचित स्तर पर रखने की व्यवस्था थी और ना ही उसका संचालन मानकों के अनुरूप किया जा रहा था। अब सोचिए कि जहां गर्भवती महिलाओं एवं उनके बच्चों के लिए सरकार पौष्टिक आहार की योजनाएं लेकर आती है तो वहीं कुछ ठेकेदार अधिकारियों की मिलीभगत से इसमें भी फर्जीवाड़ा करने से नहीं चूकते। लक्ष्य है तो केवल अपनी जेब में गर्म करने का फिर चाहे इसे कोई बीमार पड़े या फिर किसी की जान जाए। इससे बड़ी लापरवाही और जमाखोरी भला और क्या होगी की जो सामान दिसंबर और जनवरी में सप्लाई किया जाना था उसे मार्च में आंगनबाड़ी केदो में भेजा जा रहा था। सरकारी योजनाओं में धांधली और गुणवत्ताहीन सामग्री की आपूर्ति करने की ठेकेदारी प्रथा का यह बेहद शर्मनाक उदाहरण है। सरकार को इस दिशा में ऐसे गोदाम मालिक और आंगनबाड़ी केंद्रों में माल सप्लाई करने की बिना जांच के स्वीकृति देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए इनके खिलाफ मुकदमे लिखे जाने चाहिए।

शक्ति का सबसे पक्का उत्तर रणनीतिक स्पष्टता

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी व्यापार नीति के केंद्र में फिर से टैरिफ को रखा, तो उन्होंने सिर्फ इस्पात, सोलर पैनल या ज्वार पर टैक्स नहीं लगाया बल्कि उन्होंने अनुमान, पूर्वानुमेयता पर टैक्स लगाने की रीति–नीति बनाई। और उन्होने यह ऐसी दुनिया मेंल क्या जहाँ पूंजी, सप्लाई चेन और कूटनीति सब निश्चितता पर निर्भर हैं। इसलिए हुआ क्या? वैश्विक बाजार, व्यापार. विदेश नीति सभी में अनिश्चितता खुद एक शक्ति का रूप पा गई? विकासशील देशों के लिए टैरिफ की वापसी एक पुरानी याद जगाने वाली थी। कभी संरक्षण ढाल और सहारा दोनों रहा था – नाजुक उद्योगों को बड़े और पूंजी–संपन्न देशों की मार से बचाकर बढ़ने का मौका देने का तरीका। पूर्वी एशिया ने इसे अनुशासन के साथ अपनाया। चीन ने इसे संयुक्त उपक्रमों, तकनीक हस्तांतरण और निर्यात महत्वाकांक्षा से जोड़ा। संरक्षण पुरानी सोच नहीं था; वह रणनीति था।

सतीश झा

भारत इस आर्थिक कूटनीति की वापसी से परखा गया। आलोचकों का तर्क है कि नई दिल्ली ने दबाव में जल्दी कदम उठाया – कृषि और नीतिगत स्वायत्तता के कुछ मोर्चों पर रियायत दी, जबकि धैर्य बेहतर शर्तें दिला सकता था। जिन देशों ने अधिक घर्षण सहा, उनकी तुलना में भारत का रुख सावधान दिखा। आरोप गंभीर है। उस पर विचार होना चाहिए। लेकिन संदर्भ भी जरूरी है।

जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी व्यापार नीति के केंद्र में फिर से टैरिफ को रखा, तो उन्होंने सिर्फ इस्पात, सोलर पैनल या ज्वार पर टैक्स नहीं लगाया बल्कि उन्होंने अनुमान, पूर्वानुमेयता पर टैक्स लगाने की रीति–नीति बनाई। और उन्होने यह ऐसी दुनिया मेंल क्या जहाँ पूंजी, सप्लाई चेन और कूटनीति सब निश्चितता पर निर्भर हैं। इसलिए हुआ क्या? वैश्विक बाजार, व्यापार. विदेश नीति सभी में अनिश्चितता खुद एक शक्ति का रूप पा गई?

विकासशील देशों के लिए टैरिफ की वापसी एक पुरानी याद जगाने वाली थी। कभी संरक्षण ढाल और सहारा दोनों रहा था – नाजुक उद्योगों को बड़े और पूंजी–संपन्न देशों की मार से बचाकर बढ़ने का मौका देने का तरीका। पूर्वी एशिया ने इसे अनुशासन के साथ अपनाया। चीन ने इसे संयुक्त उपक्रमों, तकनीक हस्तांतरण और निर्यात महत्वाकांक्षा से जोड़ा। संरक्षण पुरानी सोच नहीं था; वह रणनीति था।

वैश्वीकरण ने मानो वह अध्याय बंद कर दिया था। औसत टैरिफ घटे, बहुपक्षीय नियम मजबूत हुए, और सुरक्षा की जगह दक्षता ने ले ली। लेकिन ट्रंप की चाल ने संकेत दिया कि व्यापार तकनीकी प्रबंधन से फिर भू–राजनीतिक दबाव के औजार में बदल गया है। टैरिफ अब केवल आर्थिक साधन नहीं रहे; वे मोलभाव के हथियार बन गए, जिन्हें अचानक इस्तेमाल कर रियायतें लेने और रिश्तों को फिर से गढ़ने के लिए तैनात किया गया।

भारत इस आर्थिक कूटनीति की वापसी से परखा गया। आलोचकों का तर्क है कि नई दिल्ली ने दबाव में जल्दी कदम उठाया – कृषि और नीतिगत स्वायत्तता के कुछ मोर्चों पर रियायत दी, जबकि धैर्य बेहतर शर्तें दिला सकता था। जिन देशों ने अधिक घर्षण सहा, उनकी तुलना में भारत का रुख सावधान दिखा। आरोप गंभीर है। उस पर विचार होना चाहिए। लेकिन संदर्भ भी जरूरी है।

मान्यताओं पर सवाल

आलोचना कुछ धारणाओं पर टिकी है। पहली यह कि टैरिफ आज भी शिशु उद्योगों की रक्षा के लिए अनिवार्य हैं। यह तर्क उस दौर में सही था जब औद्योगीकरण के लिए सुरक्षित घरेलू बाजार जरूरी थे और पूंजी की कमी में पैमाना निर्णायक होता था। लेकिन आज की वृद्धि – डिजिटल सेवाओं, दवा उद्योग और उन्नत विनिर्माण में – शुरुआत से ही वैश्विक रूप से जुड़ी है। प्रतिस्पर्धा के बिना संरक्षण अक्षमता को स्थायी बना सकता है। असली सवाल यह नहीं कि टैरिफ हैं या नहीं, बल्कि यह कि क्या उनके साथ संस्थागत अनुशासन और तकनीकी उन्नयन जुड़ा है।

दूसरी धारणा यह है कि चीन का रास्ता दोहराया जा सकता है। चीन ने पैमाने, केंद्रीकृत समन्वय और लंबी रणनीतिक दृष्टि को जोड़ा। भारत, एक विशाल संघीय लोकतंत्र, अलग ढंग से काम करता है। यहाँ अधिकार बंटा हुआ है, राजनीति बहस से गुजरती है, और नीतिगत तालमेल धीरे–धीरे बनता है। यह मान लेना कि भारत चीन की संरक्षणवादी क्रमबद्धता की नकल कर सकता है, संरचनात्मक फर्क को नजरअंदाज करना है।तीसरी धारणा यह है कि ट्रंप के टैरिफ मनमाने थे और इसलिए अस्थायी – जिन्हें न्यायिक या संस्थागत दबाव नरम कर देगा। भले कुछ फार्मूले अचानक लगे हों, पर उनकी सोच उनके नजरिए में सुसंगत थी। टैरिफ लेन–देन वाली कूटनीति में दबाव का साधन थे। उनका मकसद बहुपक्षीय आदर्श की रक्षा नहीं, द्विपक्षीय सौदे को मजबूर करना था। कानूनी उलटफेर की प्रतीक्षा रणनीति नहीं भी हो सकती थी; वह खेल की गति को गलत पढ़ना भी हो सकता था।

और फिर भू–राजनीति है। व्यापार विवाद अकेले नहीं होते। भारत–अमेरिका संबंध रक्षा सहयोग, खुफिया साझेदारी, तकनीकी साझेदारी और इंडो–पैसिफिक में चीन संतुलन तक फैले हैं। केवल आर्थिक नजर से रियायत देखना व्यापक गणना को अनदेखा करना है। एक क्षेत्र में रणनीतिक जगह सुरक्षित करने के लिए दूसरे क्षेत्र में समायोजन करना पड़ सकता है।

प्रतिक्रिया से आगे

फिर भी आलोचक एक बात सही कहते हैं: टैरिफ असली युद्धभूमि नहीं हैं। वे लक्षण हैं। यदि भारत की प्रतिक्रिया केवल दाल या पशु–चारे पर शुल्क को लेकर सौदेबाजी तक सीमित रहेगी, तो वह शतरंज की जगह कैरम खेल रहा होगा। असली प्रश्न यह नहीं कि दबाव में भारत ने ज्यादा रियायत दी या नहीं। प्रश्न यह है कि क्या वह इस क्षण को दीर्घकालिक रणनीतिक लाभ में बदलता है।कृषि से शुरुआत करें, जहाँ चिंता सबसे तीखी है। कुछ वस्तुओं पर रियायत किसानों की आजीविका और खाद्य संप्रभुता को लेकर डर जगाती है। इसका जवाब तात्कालिक संरक्षण नहीं, पुनर्स्थापन है। भारत अपने पारंपरिक अनाज – खासकर मिलेट्स – को जलवायु–सहिष्णु और पोषक विकल्प के रूप में वैश्विक बाजार में आगे ला सकता है। किसान सहकारिताओं को मजबूत कर निर्यात पैमाना और सौदेबाजी शक्ति बढ़ाई जा सकती है। कृषि नीति को जलवायु कूटनीति से जोड़ा जा सकता है, ताकि टिकाऊ अनाज वैश्विक समाधान का हिस्सा बनें, घरेलू कमजोरी नहीं। इससे कथा बदलती है। आयात से बचाव की जगह मांग गढ़ने की बात होती है।

अब बातचीत की रणनीति। धैर्य निष्क्रियता नहीं है। व्यापार कूटनीति में समय भी दबाव का साधन होता है। एकतरफा कदम अक्सर राजनीतिक और बाजार दबाव में बदलते हैं। दक्षिण–पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में निर्यात बाजार विविध कर भारत किसी एक साझेदार पर निर्भरता घटा सकता है। विकल्प जितने अधिक, उतनी कम जल्दबाजी। सोच–समझकर किया गया विलंब सौदेबाजी को मजबूत कर सकता है।तकनीक का प्रश्न अधिक सूक्ष्म है। चीन ने संयुक्त उपक्रमों के जरिए तकनीकी ज्ञान सोखा। भारत निवेश हतोत्साहित किए बिना वही दबाव नहीं बना सकता। लेकिन वह स्थानीय अनुसंधान प्रतिबद्धताओं को बढ़ावा दे सकता है, विश्वविद्यालय–उद्योग सहयोग को गहरा कर सकता है, और संतुलित नियमन के जरिए डिजिटल संप्रभुता की रक्षा कर सकता है। लक्ष्य यह है कि ज्ञान को सोखा जाए, पर आकार न खोया जाए – स्पंज की तरह अवशोषित किया जाए, बिना घुले।संस्थागत विश्वसनीयता अस्थिरता का शांत प्रतिरोध है। अचानक टैरिफ घोषणाओं से घबराए निवेशक ऐसे ठिकाने तलाशते हैं जहाँ अनुबंध लागू हों, कर नीति अनुमानित हो, और लॉजिस्टिक्स कुशल हो। यदि भारत कस्टम प्रक्रिया सरल करे, नियामकीय अस्पष्टता घटाए और विवाद निपटान मजबूत करे, तो वह विकल्प भर नहीं, स्थिरता का केंद्र बन सकता है। जब अनिश्चितता वॉशिंगटन से उठे, तो नई दिल्ली की स्थिरता रणनीतिक पूंजी बन सकती है।

संरचनात्मक मुकाबला

टैरिफ बहस में जो बात अक्सर छूट जाती है, वह यह है कि आज की आर्थिक प्रतिस्पर्धा सीमा शुल्क तक सीमित नहीं है। इसमें सब्सिडी, निर्यात नियंत्रण, औद्योगिक नीति, डिजिटल मानक और वित्तीय दबाव सब शामिल हैं। वैश्वीकरण खत्म नहीं हुआ; वह बदला है। सप्लाई चेन क्षेत्रीय हो रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा व्यापार प्रवाह को प्रभावित कर रही है। मुकाबला संरचनात्मक है, क्षणिक नहीं।

ऐसे माहौल में अस्थिरता का जवाब अस्थिरता से देना उलटा असर डाल सकता है। उभरती शक्ति अनिश्चितता का जवाब अनिश्चित बनकर नहीं देती। वह अपरिहार्य बनकर देती है। यह अपरिहार्यता धीरे–धीरे बनती है – बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, नवाचार और विश्वसनीय शासन के जरिए। यह विविध साझेदारियों और बहुपक्षीय मंचों से मजबूत होती है। जी20 जैसे मंचों में व्यापार विकल्पों को टिकाना द्विपक्षीय दबाव को हल्का करता है और नियमों के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाता है।ग्लोबल साउथ में भारत की नेतृत्व की दावेदारी भी इसी पर टिकी है। गरिमा मायने रखती है। अनुशासन भी। समान व्यापार नियमों और जलवायु न्याय की बात तभी असरदार होगी जब घरेलू सुधार उसके साथ चलें। विश्वसनीयता धीरे–धीरे बनती है।

रियायत से क्षमता तक

टैरिफ टकराव के क्षणों में मुद्दे को अपमान या विजय के फ्रेम में देखना आसान है – झुकना या डटना। लेकिन महान शक्तियाँ किसी एक वार्ता से तय नहीं होतीं। वे उससे तय होती हैं जो वे उसके बाद बनाती हैं। यदि भारत इस अनुभव का उपयोग कृषि लचीलापन बढ़ाने, तकनीकी क्षमता गहरी करने, बाजार विविध करने और संस्थागत विश्वसनीयता मजबूत करने में करे, तो शुरुआती छवि से अधिक महत्वपूर्ण उसकी दिशा होगी। सवाल यह नहीं कि उसने कितना शोर किया, बल्कि यह कि वह कितना बदला।

टैरिफ राजनीतिक चक्रों के साथ ऊपर–नीचे होते रहेंगे। सरकारें बदलेंगी। पर संरचनात्मक प्रतिस्पर्धा टिकती है। शक्ति का अनुशासन नाटकीय जवाब में नहीं, धैर्यपूर्ण ताकत जुटाने में है। असली प्रश्न यह नहीं कि भारत को और इंतजार करना चाहिए था या जोर से बोलना चाहिए था। प्रश्न यह है कि क्या वह अस्थिरता को सुधार में और दबाव को प्रगति में बदलता है।

दुनिया में चर्चा का विषय एपस्टीन की फाइल्स

विनीत नारायण

फ़ाइलें 30 जनवरी 2026 को सामने इसलिए आई क्योंकि अमरीका के सांसदों ने न्यायिक विभाग पर भारी दबाव बनाया। अभी भी बहुत सारी सूचनाओं को ये विभाग दबा कर बैठा है। अमरीका के जो भी सांसद बारी–बारी से जाकर न्यायिक विभाग में इन फाइलों का निरीक्षण कर रहे हैं वे सदमें में आ जाते हैं। इनमें दुनिया के कुलीन और मशहूर धनाढ्यों और राजनेताओं के नाम शामिल हैं।पिछले हफ़्ते तक इंग्लैंड के युवराज रहे प्रिंस एंड्र्यूज़ की गिरफ़्तारी ने एपस्टीन फ़ाइल्स में उल्लेखित विश्व की मशहूर हस्तियों और राजनेताओं के दिल की धड़कन बढ़ा दी है। ये एक ऐसा जिन्न है जो फैलता ही जा रहा है। हर रोज़ नए–नए नाम और उनके काले कारनामे उजागर हो रहे हैं। आश्चर्य की बात है कि अमरीका के न्यायिक विभाग ने इन फाइल्स के सामने आने के बाद इनमें शामिल मशहूर हस्तियों से न तो कोई पूछताछ की और न ही उनके ख़िलाफ़ कोई केस दर्ज किए। क्योंकि उस पर अपने ही सत्ताधीशों का दबाव था।ये फ़ाइलें भी 30 जनवरी 2026 को सामने इसलिए आई हैं क्योंकि अमरीका के सांसदों ने न्यायिक विभाग पर भारी दबाव बनाया। अभी भी बहुत सारी सूचनाओं को ये विभाग दबा कर बैठा है। अमरीका के जो भी सांसद बारी–बारी से जाकर न्यायिक विभाग में इन फाइलों का निरीक्षण कर रहे हैं वे सदमें में आ जाते हैं। इनमें दुनिया के कुलीन और मशहूर धनाढ्यों और राजनेताओं के नाम शामिल हैं।आश्चर्य की बात है कि भारत का अधिकतर मीडिया ही नहीं बल्कि अमरीका का भी मुख्य धारा का मीडिया एपस्टीन फाइल्स को लेकर सामने आ रही दिल दहलाने वाली सूचनाओं को उस तत्परता से प्रकाशित या प्रसारित नहीं कर रहा जैसा किया जाना चाहिए। लगता है कि पैसे और ताक़त के दबाव पर इन सूचनाओं को दबाने का काम जारी है। पर सोशल मीडिया अपनी भूमिका बखूबी निभा रहा है। जिन्हें एपस्टीन फाइल्स के बारे में अधिक जानकारी नहीं है, वे सोशल मीडिया पर जाकर 'एपस्टीन फाइल्सइ कीवर्ड को खोजेंगे तो उनकी आँखे फटी की फटी रह जाएँगी।ये फाइल्स इतनी भयावह हैं कि अगर इससे जुड़े ताक़तवर लोगों पर क़ानूनी करवाई होना शुरू हो जाए तो अमरीका की राजसत्ता और आर्थिक सत्ता धराशाही हो जाएगी और यही स्थिति अन्य देशों में भी हो सकती है। आज अमरीका के हर बड़े शहर में लाखों नागरिक अपने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ख़िलाफ़ सड़कों पर भारी प्रदर्शन कर रहे हैं। क्योंकि इन संदिग्ध फाइल्स में उपलब्ध वीडियो फुटेज में डोनाल्ड ट्रम्प जैसी तमाम बड़ी हस्तियां, छोटी बच्चियों के साथ दिखाई दे रहे हैं। हालांकि बच्चियों के यौन शोषण के मामले में उनके विरुद्ध अभी तक कोई प्रमाण सामने नहीं आए हैं। पर लाख टके का सवाल यह है कि जिस नरपिशाच को बच्चियों के साथ पाशविक यौनाचार के मामले में सज़ा मिल चुकी थी उससे ये बड़ी हस्तियां क्यों लगातार मिलती–जुलती रहीं?आइए जान लें कि जेफरी एडवर्ड एपस्टीन कौन था? वो एक०० अमेरिकी फाइनेंशियर (धन प्रबंधक) और सेक्स क्रिमिनल था। वो न्यूयॉर्क में जन्मा, पढ़ाई में अच्छा था, एक प्राइवेट स्कूल में टीचर रहा, फिर वॉल स्ट्रीट पर 'बियर स्टर्न्सइ जैसे बड़े बैंक में काम किया। बाद में उसने अपनी खुद की फर्म बनाई, जहाँ वो अरबपतियों के पैसे मैनेज करता था। वो बहुत अमीर हो गया और दुनिया के बड़े–बड़े लोगों से उसकी दोस्ती थी, जैसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, डोनाल्ड ट्रंप, ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू, बिल गेट्स, कई सेलिब्रिटी, वैज्ञानिक और बिजनेसमैन। उसके पास 'लोलिता एक्सप्रेसइ नाम का प्राइवेट जेट था। न्यूयॉर्क व फ्लोरिडा में उसके महल जैसे घर और कैरिबियन में एक प्राइवेट द्वीप भी था जहाँ वो शानदार दावतें देता था, जिनमें दुनिया भर की मशहूर हस्तियां शिरकत करती थीं।एपस्टीन पर बच्चियों और नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण और सेक्स ट्रैफिकिंग (बलात्कार/दुष्कर्म का नेटवर्क चलाने) के गंभीर आरोप थे। 2005 में फ्लोरिडा पुलिस ने जांच शुरू की तो एक 14 साल की लड़की ने बताया कि एपस्टीन ने उसे उसके घर में 'सेक्सुअल मसाजइ के बहाने शोषण किया। दर्जनों (कुछ रिपोर्ट्स में 100+ से ज्यादा) नाबालिग लड़कियों ने कहा कि एपस्टीन उन्हें पैसे देकर 'मसाजइ के लिए बुलाता था, फिर सेक्सुअल एक्टिविटी करता था। उसकी पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल पर आरोप था कि वो एपस्टीन को लड़कियां मुहैया कराती थी। मैक्सवेल को 2021 में दोषी ठहराया गया और उसे 20 साल की सजा हुई और वो अभी जेल में है।उधर 2008 में एक डील हुई जिसमें एपस्टीन ने अपना दोष स्वीकार किया और वो गिरफ़्तार कर लिया गया। पर वो सिर्फ 13 महीने ही जेल में रहा। लेकिन 2019 में एपस्टीन को दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। उस पर सेक्स ट्रैफिकिंग के फेडरल आरोप लगे।

फिल्म उस्ताद भगत सिंह का नया पोस्टर जारी, मास अवतार में नजर आए पवन कल्याण

पवन कल्याण के शानदार हैट वाले अवतार वाले उस्ताद भगत सिंह के पोस्टर ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है, फैंस और सिनेमा लवर्स इस इलेक्ट्रिफाइंग लुक का जश्न मना रहे हैं। ज़बरदस्त रिस्पॉन्स से पता चलता है कि फिल्म को लेकर लोगों में ज़बरदस्त क्रेज़ है, और रिलीज़ हुए हर कंटेंट को ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। टीज़र सेंसेशन बन गए, सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड हुए और ज़बरदस्त बज़ बनाया। गाने 'देखेंगे सालाझ और 'उस्ताद का औराझ चार्टबस्टर बन गए हैं, जिसमें पवन कल्याण के स्वैग और स्क्रीन प्रेजेंस को खूब पसंद किया गया। हर गाने ने पावर स्टार के औरा को और बढ़ाया है, और फैंस के साथ एक ज़बरदस्त रिश्ता बनाया है।ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर हरीश शंकर के डायरेक्शन में बनी, उस्ताद भगत सिंह एक पूरी एंटरटेनर बनने जा रही है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद अपने बेस्ट पर हैं, उन्होंने ज़बरदस्त म्यूज़िक दिया है जो फिल्म की हाई–वोल्टेज एनर्जी को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट करता है। यह फिल्म तमिल हिट थेरी की तेलुगु रीमेक है, जिसमें पवन कल्याण एक दमदार पुलिस ऑफिसर का रोल कर रहे हैं।मेकर्स अब फिल्म से एक पावर–पैक्ड 40–सेकंड की झलक रिलीज़ करने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे बज़ और भी बढ़ जाएगा। उम्मीदें आसमान छू रही हैं और एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रहा है, उस्ताद भगत सिंह एक बार फिर मास सिनेमा को नया रूप देने के लिए तैयार है।

सुबेदार से गाना बालम सूबेदार रिलीज

फिल्म सूबेदार का नया ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो 'बालम सूबेदारझ् आज रिलीज हो गया है. इस गाने में अनिल कपूर सूबेदार अर्जुन मौर्य और खुशबू सुंदर सुधा के किरदार में नजर आ रही हैं. आइकॉनिक ट्रैक के इस नए अंदाज को सुनकर आप इसे लंबे समय तक गुनगुनाते रहेंगे.

रीइमेजिन किया गया यह गाना सूबेदार अर्जुन मौर्य और उनकी पत्नी सुधा के रिश्ते की एक खास झलक पेश करता है. यह वीडियो दिखाता है कि कैसे सुधा को अपने सूबेदार पर गर्व है और कैसे उनका प्यार अर्जुन को वर्दी के बाहर भी मजबूती देता है. यह गाना अर्जुन और सुधा के रिश्ते को केंद्र में लाता है और फिल्म की दुनिया में गर्मजोशी और खास आकर्षण जोड़ता है. सुधा को अपने सूबेदार पर गर्व और दोनों की सहज केमिस्ट्री अर्जुन मौर्य के किरदार को भावनात्मक गहराई देती है.

वरमाला पहनाने के बाद अर्जुन ने सानिया पर लुटाया प्यार

नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने नई पारी की शुरुआत कर दी है। मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की नातिन सानिया चंडोक संग अर्जुन तेंदुलकर शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों ने मुंबई में आयोजित एक समारोह में 7 फेरे लिए। दोनों की शादी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे हैं।

अर्जुन ने लुटाया प्यार

इस बीच अर्जुन–सानिया की वरमाला के वीडियो ने फैंस का ध्यान खींचा है। अर्जुन ने सानिया को वरमाला पहनाने के बाद प्यार से गले लगाया। इस दौरान पास में खड़े सचिन तेंदुलकर, मां अंजली और बहन सारा काफी खुश नजर आ रहे हैं। सभी इस कपल पर फूल फेंक रहे हैं। बता दें कि इस शादी में क्रिकेट, बिजनेस और राजनीति जगत की कई हस्तियों ने शिरकत की।

शादी में पहुंचे क्रिकेटर

अर्जुन–सानिया की शादी में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी पहुंची। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर भी पत्नी के साथ नजर आए। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और सबा, हरभजन सिंह और उनकी पत्नी गीता बसरा, पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान और उनकी पत्नी सागरिका घाटगे, सुरेश रैना, अनिल कुंबले भी शादी समारोह में शामिल हुए।

लीग में खेलते नजर आएंगे

शादी के बाद अब अर्जुन कढछ 2026 में खेलते नजर आएंगे। इस बार उनकी जर्सी बदली हुई नजर आएगी। अब वह लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं। इससे पहले 4 सीजन वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा था। आईपीएल 2021 में मुंबई ने अर्जुन को 20 लाख रुपये में खरीदा था। अर्जुन ने अपने करियर में अब तक 5 आईपीएल मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 3 विकेट चटकाए हैं और 13 रन बनाए हैं।

टॉक्सिक से जारी हुआ पहला गाना तबाही, यश के साथ यूं दिखीं कियारा आडवाणी

अभिनेता यश की आगामी फिल्म टॉक्सिक का जबर्दस्त क्रेज देखा जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर यह इसी महीने रिलीज होने वाली है। इससे पहले होली के अवसर पर मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना तबाही रिलीज कर दिया है। फिल्म टॉक्सिक का जब से एलान हुआ है, तभी से इसका क्रेज भी जबर्दस्त है। इसकी रिलीज को लेकर फैंस के बीच उत्साह है। आज मेकर्स ने फिल्म का पहला सिंगल रिलीज किया है। मगर, तबाही गाने को सिर्फ ऑडियो ट्रैक के तौर पर रिलीज किया गया है। इसका कोई वीडियो नहीं है। इसे लेकर नेटिजन्स नाराज नजर आ रहे हैं। पिछले महीने ही मेकर्स ने पहले सिंगल का पोस्टर रिलीज किया था। पोस्टर में यश और कियारा आडवाणी समुद्र के किनारे एक–दूसरे के पास खड़े दिख रहे

थे। विजुअल में पैशन और इंटेंसिटी का हिंट था, जिससे फैंस को फिल्म के टोन की एक झलक मिली। मगर, अब जब गाना रिलीज किया है, तो इसे सिर्फ बतौर ऑडियो लाया गया है। नेटिजन्स लिख रहे हैं, 02 मार्च को पहली अप्रैल वाली फीलिंग आ रही है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, वीडियो के लिए कृपया वोट करें। इस गाने को देशभर के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे कई भाषाओं में लॉन्च किया गया है। कंपोजर विशाल मिश्रा ने इसका म्यूजिक बनाया है, जबकि हर भाषा के लिए लिरिक्स अलग–अलग लिखे गए हैं। राज शेखर ने हिंदी लिरिक्स लिखे हैं। वहीं, योगराज भट ने कन्नड़ भाषा में गाने के लिरिक्स लिखे। रामजोगय्या शास्त्री ने तेलुगु लिरिक्स लिखे।

लक्ष्य सेन का शानदार प्रदर्शन जारी, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

भारत के लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य से पुरुष एकल वर्ग में हांगकांग के लोंग एंगस को हराया। विश्व के 12वें नंबर के खिलाड़ी और 2022 संस्करण के फाइनलिस्ट लक्ष्य ने लोंग को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में 21–19, 21–23, 21–10 से हराया। लक्ष्य का सामना अब चीन के छठी वरीयता प्राप्त ली शी फेंग या आयरलैंड के नहात नगुयेन से होगा।

पहले गेम में पीछे चल रहे थे लक्ष्य

विश्व चैंपियनशिप (2021) के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य इससे पहले लोंग के खिलाफ खेले तीनों मैचों में हार का सामना कर चुके थे। वह पहले गेम की शुरुआत में 4–6 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए 15–11 की बढ़त बना ली और आक्रमक रिटर्न तथा सटीक प्लेसमेंट से दबाव बनाए रखा। लक्ष्य ने दूसरे गेम में क्रॉस–कोर्ट स्मैश के साथ शानदार शुरुआत की और ब्रेक तक 11–4 की बढ़त बना ली। उन्होंने ताकत और सटीकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए स्कोर 14–7 कर दिया।

लय बरकरार नहीं रख सके लोंग

लोंग दूसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी को टक्कर देने के बाद तीसरे गेम में इस दमखम को जारी नहीं रख सके। लक्ष्य ने इस दौरान शानदार मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने तेज और आक्रमक खेल के दम पर 6–2 की बढ़त बना ली। उनके मजबूत डिफेंस के सामने लोंग लगातार अंक बनाने में संघर्ष करते दिखे। लक्ष्य ने कई मैच प्वाइंट हासिल किए और हांगकांग के खिलाड़ी का एक और शॉट बाहर जाने के साथ मुकाबला अपने नाम कर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

एक नजर

उपनिरीक्षक पर जानलेवा हमला, मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : तहसील यमकेश्वर के एक राजस्व उपनिरीक्षक पर जानलेवा हमले की घटना सामने आई है। पुलिस ने दी गई तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है। पुलिस को दी गई तहरीर में राजस्व उप निरीक्षक रिजवान खान ने बताया कि वे बीती शाम करीब चार बजे अपने क्षेत्र उदयपुर वल्ला-एक से पौखाल पहुंचे। पौखाल-दुगड्डा मुख्य मोटर मार्ग पर एक व्यक्ति सड़क के मध्य में खड़ा था। उन्होंने उक्त व्यक्ति को हटने के लिए कहा तो उस व्यक्ति ने उनकी गाडी से चाबी निकाल ली और गाली गलौच करने लगा। कुछ देर बाद उसने गाडी में वापस चाबी लगाने के बाद सड़क किनारे पड़ा पत्थर उठाया और गाड़ी पर प्रहार का प्रयास किया। वे अपने साथ अंकित असवाल के साथ गाड़ी से बाहर आए और उक्त व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया। अचानक उसने पत्थर से अंकित पर पत्थर से प्रहार किया। अंकित पीछे हट गए तो उस व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उनके सिर, नाक व हाथ-पैर पर कई चोटे आई है। बताया कि उन पर हमला करने वाले व्यक्ति ने कार को भी क्षतिग्रस्त किया। आसपास के लोग मौके पर आए तो उक्त व्यक्ति भाग गया। बताया कि उन पर हमला करने वाला व्यक्ति मोहन सिंह रावत निवासी पौखाल बाजार है। उसके साथ मोहन सिंह का भाई सोनू सहित एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। कोतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि दी गई तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया है।

बसों के लिए यात्रियों को करना पड़ा इंतजार

श्रीनगर गढ़वाल : होली पर्व के अगले दिन गुरूवार सुबह श्रीनगर स्थित अलग-अलग बस अड्डों पर यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह के समय बसें समय पर न मिलने से कई यात्री लंबे समय तक बसों का इंतजार करते नजर आए। ऋषिकेश और पौड़ी जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण बसों में भीड़ रही। रुद्रप्रयाग और कर्णप्रयाग की ओर से जो भी बसें श्रीनगर पहुंचीं वे पहले से ही यात्रियों से भरी हुई थीं। इस कारण कई यात्रियों को ऋषिकेश और पौड़ी बस अड्डे पर बसों में सीटें नहीं मिल पाईं। पौड़ी जाने वाले यात्रियों को भी बसों की कमी के कारण काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। कई यात्री परिवार और सामान के साथ घंटों बसों के इंतजार में खड़े रहे। जीएमओयू के स्टेशन इंचार्ज राजेंद्र सिंह बुटोला ने बताया कि होली के कारण कुछ बसें अपने रूट पर नहीं चल पाईं जिससे सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच दिक्कत हुई। उन्होंने कहा कि बाद में जैसे-जैसे बसों का संचालन शुरू हुआ स्थिति सामान्य हो गई।

समस्याओं के समाधान की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के पार्षद झाबर सिंह रावत ने पेयजल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए जल संस्थान के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने रामलीला मैदान मार्ग चौराहे पर स्थित पुरानी पेयजल टंकी के स्थान पर नई टंकी बनाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि पुरानी टंकी स्थिति में है जिससे पानी लीकेज हो रहा है और आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। इसके स्थान पर नई टंकी बनाने की जरूरत है। इसके अलावा रामलीला मैदान मार्ग से पांडे भवन गली तक कई घरों में पानी का प्रेशर सही नहीं है। इसकी शिकायत भी कई बार कर चुके हैं। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए नई पाइप लाइन बिछाने तथा सभी उपभोक्ताओं को उसी से कनेक्शन देने की मांग की। (एजेंसी)

प्रो. सुब्रह्मण्यम को तीन वर्ष का सेवा विस्तार मिला

श्रीनगर गढ़वाल : केंद्रीय संस्कृत विवि के श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम के कार्यकाल को विश्वविद्यालय प्रशासन ने आगामी तीन वर्षों के लिए विस्तार दे दिया है। उनके कार्यकाल में परिसर में हुए चहुंमुखी विकास, अध्ययन-अध्यापन के उत्कृष्ट वातावरण और चुस्त-दुरुस्त प्रशासनिक व्यवस्था को देखते हुए विवि मुख्यालय ने यह निर्णय लिया है। परिसर के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी निदेशक को सेवा विस्तार दिया गया है। प्रो. सुब्रह्मण्यम ने 1 मार्च 2023 को परिसर के पांचवें निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला था। इससे पहले वे भोपाल, लखनऊ और हिमाचल परिसरों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके ही नेतृत्व में बाल गुरुकुल का शुभारंभ हुआ। प्रो. सुब्रह्मण्यम ने कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी का धन्यवाद किया।

भारत विकास परिषद ने लोगों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत विकास परिषद की ओर से ग्राम फतेहपुर में रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष व समाज सेवा में अपना योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य करे सम्पर्ण भाव से करे। मेहनत व ईमानदारी से किए गए कार्य में अवश्य सफलता मिलती है। सम्पर्ण भाव से किये गए कार्य दूरगामी परिणाम देते है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के परिवार मिलन होते रहने चाहिए इससे आपस में संस्कारो का आदान-प्रदान तथा मेलजोल बढ़ता है। परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने अतिथिओं का स्वागत करते हुए कहा कि परिषद का उद्देश्य परिवारों में अच्छे संस्कार पैदा करना है। इस अवसर पर सचिव प्रदीप अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक तोताराम पांथरी, सह संयोजक कैलाश चन्द्र अग्रवाल व राजेंद्र जखमोला, महिला संयोजिका बीना मित्तल ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर परिषद के 16 पूर्व अध्यक्षो को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही महापौर को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर सीमा अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, तरूण अग्रवाल, स्वाती अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, सोनिया अग्रवाल, रिवान अग्रवाल, वंशिका अग्रवाल, वान्या अग्रवाल को पुरस्कृत किया गया। वंशिका अग्रवाल ने नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संचालन तोताराम पांथरी व कैलाश चन्द्र अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल सुंदर व सीमा अग्रवाल, सचिव प्रदीप अग्रवाल व अंजु अग्रवाल, सह संयोजक कैलाश चन्द्र अग्रवाल व सुनीता अग्रवाल, सह संयोजक राजेन्द्र जखमोला व रीता जखमोला, संयोजक तोताराम पांथरी व गोदाम्बरी पांथरी, राकेश मित्तल व महिला संयोजिका बीना मित्तल, गोपाल बंसल, सेवकराम मानुजा, संजय अग्रवाल व रितु अग्रवाल, मोहन सिंह रावत, अवधेश अग्रवाल, मनोज नैथानी, राकेश वर्मा, गोपाल कुकरेती व वीना कुकरेती, अनूप बड़थ्वाल व मंजू बड़थ्वाल, विष्णु अग्रवाल, महेश गोयल, राकेश ऐरन व सुनीता ऐरन, रमेश सिंघल, सचिन सिंघल, सूरत सिंह रावत, प्रदीप अग्रवाल व सोनिया अग्रवाल, डा. तरूण अग्रवाल व स्वाती अग्रवाल, अखिलेश अग्रवाल, संजय गोयल आदि मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में लोगों को सम्मानित करते सदस्य

धूमधाम से मनाई होली, जमकर उड़े रंग और गुलाल

कंडारी कॉलोनी में होली खेलते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रंग गुलाल और अबीर से एक-दूसरे को सराबोर करने की होड़ और होली के गीतों की मस्ती के साथ रंगों का त्योहार होली धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर में हर ओर होली की धूम बनी हुई थी। बच्चे, बूढ़े, जवान सब होली के उत्साह में डूबे हुए थे। छिटपुट घटनाओं को छोड़ शहर में होली शांति पूर्वक मनाया गया।

बुधवार को कोटद्वार को आसपास के क्षेत्र में होली का उत्साह देखने को मिला। लोगों ने एक-दूसरे पर रंग लगाते हुए होली की शुभकामनाएं दी। होली को लेकर सुबह से लोगों में उत्साह बना हुआ था। लोग टोली बनाकर घर-घर से निकले और होली का पर्व मनाया। महिलाएं व युवाओं ने घर-घर जाकर लोगों को होली की बधाईयां दी। हर गली-मोहल्ले में अबीर व गुलाल उड़ता हुआ दिखाई दिया। कई मोहल्लों लोग होली के गीतों पर झूमते हुए नजर आए। होली को लेकर सबसे अधिक उत्साह बच्चों व युवाओं में बना हुआ था। हालांकि, कुछ स्थानों पर छुटपुट घटनाएं भी दिखने को मिली। कौड़िया, शिवपुर सहित कुछ क्षेत्रों में होली के दौरान युवाओं में कहासुनी और हाथापाई भी हुई। हालांकि, आसपास मौजूद लोगों ने विवाद को शांत करवाया। शांति व्यवस्था को देखने को लिए क्षेत्र में पुलिस भी सड़कों पर गश्त कर रही थी। वहीं, कंडारी कॉलोनी स्थित मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से होली महोत्सव का आयोजन किया गया। लोगों ने होली के गीत गाते हुए एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

मंडी की न्यून आय पर डीएम ने जताई नाराजगी, कोल्ड स्टोरेज खोलने के निर्देश

कोटद्वार क्षेत्र में विभागों का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने गुरुवार को कोटद्वार क्षेत्र में संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने काशीरामपुर तल्ला में निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), हल्दूखाता में बन रहे आयुर्वेदिक चिकित्सालय तथा कृषि उत्पादन मंडी समिति का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कार्यों में पायी गयी खामियों पर कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में लापरवाही, गुणवत्ता में कमी या अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं।

जिलाधिकारी सबसे पहले काशीरामपुर तल्ला पहुंचीं, जहां उन्होंने 21 एमएलडी क्षमता के निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से परियोजना की प्रगति, कार्य की गुणवत्ता तथा मौके पर कार्यरत श्रमिकों की संख्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने कहा कि एसटीपी का निर्माण क्षेत्र में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप तेज गति से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने सड़कों को खुद देखकर नाराजगी व्यक्त की और एक माह के भीतर उन्हें पूर्ववत स्थिति में लाने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर सड़कों का डामरीकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था से नीलकंठ और स्वर्गाश्रम क्षेत्र में निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए सीवरेज प्रबंधन की योजनाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाना आवश्यक है। इसके बाद जिलाधिकारी ने हल्दूखाता में निर्माणाधीन 50 बेड के आयुर्वेदिक चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

उन्होंने अस्पताल परिसर में रैंप, लिफ्ट, सीढ़ियां, पंचकर्म एवं योग वार्ड, इमरजेंसी वार्ड, ओपीडी कक्ष, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रभारी चिकित्साधिकारी आयुर्वेदिक ने जानकारी दी कि यह चिकित्सालय लगभग 17.58 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य मार्च 2024 में प्रारंभ हुआ था और इसे दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सालय के संचालन से क्षेत्रीय लोगों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल के निर्माण के लिए दूसरी किश्त की धनराशि का प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजा जाए। साथ ही उन्होंने आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी को अस्पताल के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक चिकित्सकीय एवं तकनीकी पदों के सृजन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल के लिए आवश्यक चिकित्सीय उपकरणों की मांग समय रहते शासन को भेजी जाए, ताकि अस्पताल के शुरू होते ही मरीजों को सभी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी कोटद्वार संदीप कुमार, तहसीलदार साक्षी उपाध्याय, एसटीपी परियोजना के प्रोजेक्ट मैनेजर एस.के. वर्मा, प्रोजेक्ट इंजीनियर दीपक वत्स, प्रभारी चिकित्साधिकारी आयुर्वेदिक डॉ. अंजना पंत सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडी की आय बढ़ाने के लिए नए स्रोत तलाशे, राजस्व संग्रहण को सुदृढ़ करें

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने गुरुवार को कृषि उत्पादन मंडी समिति का निरीक्षण कर मंडी की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने मंडी शुल्क से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा व्यापारियों की सूची का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि मंडी समितियां किसानों और व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों का केंद्र होती हैं, इसलिए यहां की व्यवस्थाओं को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाए रखना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रमुख चुंगी चेक प्वाइंट पर एकीकृत रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए, ताकि मंडी शुल्क की वसूली पारदर्शी ढंग से हो सके और किसी प्रकार का शुल्क लीकेज न हो। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र स्वीकृति के लिए भेजने को कहा। साथ ही व्यापारियों के गोदामों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए, जिससे मंडी संचालन सुव्यवस्थित बना रहे। जिलाधिकारी ने मंडी परिसर में स्थित स्टोर रूम, कंप्यूटर कक्ष एवं विपणन कक्ष का भी निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि मंडी परिसर में आवश्यक सुविधाएं जैसे स्वच्छ पेयजल के लिए वाटर कूलर, ऊर्जा दक्षता के लिए सोलर लाइट तथा अन्य आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों और व्यापारियों को बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने मंडी समिति के जनवरी और फरवरी माह के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी देखा। समीक्षा के दौरान व्यय आय से अधिक पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा कि मंडी की आय बढ़ाने के लिए नए स्रोतों की तलाश की जाए तथा राजस्व संग्रहण को सुदृढ़ किया जाए। साथ ही जिन दुकानों का किराया लंबित है, उनसे शीघ्र वसूली सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किराया नियमित रूप से संग्रहण नहीं हो पा रहा है तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध आरसी जारी कर राजस्व वसूली की कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने व्यापारियों से संवाद कर व्यापार की स्थिति भी जानी। जिलाधिकारी ने मंडी परिसर में पीठ बाजार लगाने की व्यवस्था विकसित करने के भी निर्देश दिए, जिससे स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलने के साथ मंडी की आय में भी वृद्धि हो सके।

व्यापारियों ने बंद रखा कीर्तिनगर बाजार, एसडीएम कार्यालय और कोतवाली में किया प्रदर्शन

श्रीनगर गढ़वाल : होली के दिन कीर्तिनगर बाजार में मारपीट हुई जिसमें तीन लोग घायल हो गए। घटना के विरोध में गुरूवार को व्यापारियों और लोगों ने उपजिलाधिकारी कार्यालय व कोतवाली कीर्तिनगर में प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने बाजार बंद रखा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि होली के दिन कीर्तिनगर बाजार चेक पोस्ट के समीप कीर्तिनगर-नैथाणा क्षेत्र के कुछ युवकों ने बाजार के व्यापारियों के साथ अभद्रता की। इस दौरान कहासुनी बढ़कर मारपीट में बदल गई। घटना में एक व्यापारी के सिर पर गंभीर चोट आई, जबकि दो अन्य लोग भी घायल हो गए।

घटना के विरोध में गुरूवार को व्यापारियों ने कीर्तिनगर बाजार बंद रखा और उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने नगर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, सीसीटीवी कैमरों का नियमित संचालन करने, ओवर स्पीड वाहनों पर कार्रवाई करने और मारपीट के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उपजिलाधिकारी मंजू राजपूत ने व्यापारियों को मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद व्यापारी कोतवाली कीर्तिनगर पहुंचे जहां उन्होंने होली के दिन पर्याप्त पुलिस बल तैनात न होने और अराजकता का माहौल बनने पर आक्रोश जताया और प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने मामले में संलिप्त सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। इधर कोतवाली कीर्तिनगर के प्रभारी निरीक्षक संजय मिश्रा ने बताया कि मामले में दो युवकों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटना के संबंध में जल्द प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, युवक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुर में तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। मामले में मृतक के स्वजन की तहरीर पर आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है।मोटाढांक चौराहे से पैदल ही दुर्गापुरी की तरफ आ रहे रमाकान्त सेमवाल को शंकर मार्केट के समीप एक कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल रमाकांत को उपचार के लिए बेस चिकित्सालय में लाया गया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में मृतक के ममेरे भाई अनूप चन्द्र ध्यानी की तरफ से पुलिस में तहरीर दी गई है। तहरीर में आयुष असवाल निवासी उमरावनगर (पदमपुर) पर लापरवाही व तेज गति से कार चलाने का आरोप लगाया गया है।

छात्रा दिव्यांशी का इंस्पायर अवार्ड के लिए चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उमरैला की छात्रा दिव्यांशी का भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से आयोजित इंस्पायर अवार्ड में चयन हुआ है। बेटी की इस सफलता पर अभिभावकों व शिक्षकों ने खुशी व्यक्त की।

शिक्षक विपिन चौहान ने बताया कि विज्ञान के लिए प्रेरित अनुसंधान के नवाचार के लिए प्रोजेक्ट बनाकर उन्हें आनलाइन जमा किया जता है। इस वर्ष विद्यालय छात्रा ने अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से इंस्पायर अवार्ड अपने नाम किया। कहा कि इससे पूर्व में कई विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्कूल का नाम रोशन कर चुके हैं। इस मौके पर पारस नेगी, विराज नेगी, अक्षित रावत एवं साक्षी आदि मौजूद रहे।

गेंवाली में ग्रामीणों की भूख हड़ताल से फीका रहा होली का त्योहार

नई टिहरी(। भिलंगना ब्लॉक के सीमांत क्षेत्र के ग्राम पंचायत गेंवाली में आपदा से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की मरम्मत करने, पुल बनाने और मोबाइल टावर लगाने आदि की मांग को लेकर ग्रामीणों की भूख हड़ताल 14वें दिन भी जारी रही। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी खुद गेंवाली आकर समस्याओं का आकलन करें। गांव में भूख हड़ताल के चलते होली का त्योहार भी फीका रहा। गेंवाली गांव में आपदा से भारी नुकसान हुआ है। जबकि ग्रामीणों को अन्य कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गांव के लोग आपदा से क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत करने, लंबे समय से अधर में लटका पुल का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने, कनेक्टिविटी के लिए मोबाइल टावर लगाने, आपदा प्रभावित 12 परिवारों का पुनर्वास करने और आपदा से क्षतिग्रस्त जूनियर हाईस्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग को लेकर गांव के पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत 20 फरवरी से आमरण अनशन पर हैं। उनके समर्थन में गांव के लोग अन्य लोग भी 28 फरवरी से आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। आंदोलन कर रहे ग्रामीणों का कहना है, कि शासन-प्रशासन उनकी कोई सुध नहीं ले रहा है जिससे ग्रामीणों में रोष है। पांच मार्च को आमरण अनशन स्थल पर हुई बैठक में ग्रामीणों ने तय किया है कि गांव से शीघ्र ही एक प्रतिनिधि मंडल जिला मुख्यालय जाकर डीएम से मिलेगा और अपनी सात सूत्री मांगों के बाबत वार्ता करेगा। बैठक में तय किया गया कि जब तक डीएम खुद गेंवाली गांव पहुंचकर उनकी समस्याओं से रूबरू नहीं होती है, तब तक भूख हड़ताल जारी रखी जाएगी। इस मौके पर विजेश्वरी देवी,शिव सिंह, बचली देवी, अंबिका देवी, जातरी देवी, बीना, हीमा, अंकिता, अवतार सिंह, प्रेमा देवी, कमलेश्वरी देवी और इंद्रा देवी आदि मौजूद थे।

थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण से घटेगी मसूरी की दूरी

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण नहीं होने से ब्लॉक मुख्यालय और आसपास क्षेत्र के लोगों को मसूरी आवाजाही करने के लिए सुवाखोली होकर 35 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण होने के बाद मसूरी के लिए ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ से 16 किलोमीटर दूरी कम हो जाएगी। ग्राम प्रधान संजय पडियाल, पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत, विनोद राणा, वीरेंद्र चंदेल, मनमोहन सजवाण, महेंद्र सजवाण ने कहा कि ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ जौनपुर का केंद्र बिंदु है। थत्यूड़ और आसपास क्षेत्र के लोग लंबे समय से थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। थत्यूड़ ब्लॉक मुख्यालय के लोगों को मसूरी जाने के लिए वाया सुवाखोली होते 35 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है जबकि थत्यूड़-मसराना सड़क बन जाती है तो थत्यूड़ से मसूरी की दूरी कम हो जाएगी। सड़क निर्माण के बाद जौनपुर क्षेत्र के पर्यटक स्थल देवलसारी और नागटिब्बा जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी होगी। क्षेत्र के लोग मसूरी होते हुए देहरादून भी आसानी से पहुंच सकेंगे। समय और पैसे की बचत होगी। वहीं स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। उन्होंने शासन-प्रशासन से थत्यूड़-मसराना आठ किलोमीटर सड़क निर्माण करने की मांग की है।

जर्मनी और श्रीलंका के कृषि विशेषज्ञ और शोधार्थी पहुंचे हेंवलघाटी

नई टिहरी। आईआईटी रुड़की में कृषि विज्ञान के विभाध्यक्ष प्रो. आशीष पांडेय के मार्गदर्शन में जर्मनी और श्रीलंका के कृषि विशेषज्ञ, प्रोफेसर और शोधार्थी छात्रों का एक दल बीज बचाओ आंदोलन की जानकारी लेने जड़धार गांव पहुंचा। दल के सदस्यों ने नागणी हेंवल घाटी में स्थित बीज बचाओ आंदोलन के प्रणेता विजय जड़धारी से खेत में जाकर मुलाकात की। टीम ने हेंवलघाटी के चिपको आंदोलन, खनन विरोधी आंदोलन और बीज बचाओ आंदोलन के बारे में जानकारी हासिल की। हेंवलघाटी पहुंचे जर्मनी के केल विवि की प्रो. निकोला परहर ने उत्तराखंड की पारंपरिक, टिकाऊ जैविक और बारहनाजा की मिश्रित खेती, पशुपालन और जंगल संरक्षण के तौर- तरीकों को समझते हुए यहां के किसानों का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि दुनिया को स्वस्थ रखने और पर्यावरण पारिस्थितिकी को बचाने के इस संदेश को वह अपने देश के लोगों और छात्रों को पढ़ाएगी। इसी तरह पड़ोसी देश श्रीलंका के रूटुना विवि के प्रो. विक्रमाची और डॉ. हेंगमा लियांग ने कहा कि बीज बचाओ आंदोलन टिकाऊ खेती के लिए विविध तरह के बीजों का संरक्षण और जैविक पद्धतियों का जो काम कर रहा है, वह सिर्फ भारत के लिए नहीं पूरी दुनिया के भविष्य का संदेश है। आईआईटी रुड़की के विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष पांडेय ने बताया कि बीज बचाओ आंदोलन की विविधता का खजाना पारंपरिक बीजों का संकलन और धरातल पर खेती के प्रयोग को देखते हुए उसका लाभ शोधार्थियों तक कैसे पहुंचे इस कार्य में मदद करने का प्रयास कर रहे हैं।

शादी समारोह में शराब पिलाने पर लगेगा 21 हजार का जुर्माना

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक के ग्राम पंचायत बेरगणी में महिला मंगल दल ने बैठक कर गांव में शराब बंदी का प्रस्ताव पारित किया। शराब बंदी के बाद शादी-समारोह शराब पिलाने वालों पर ग्राम पंचायत 21 हजार रुपये का जुर्माना लगाएंगी। महिला मंगल दल की अध्यक्ष रश्मि सजवाण और ग्राम प्रधान युद्धवीर सिंह रावत की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक हुई। महिला मंगल दल की अध्यक्ष रश्मि ने बताया सभी ग्रामीणों की सहमति के बाद शादी, मुंडन, दुर्गा पूजा (अष्टमी) एवं अन्य मांगलिक और धार्मिक कार्यक्रमों में शराब को पूर्ण रूप से प्रतिबंध कर दिया है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल स्वामी प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद-244001 द्वारा निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित माल के लिए इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत मण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं. : 01	निविदा संख्या : GEM/2026/B/7145385
माल का विवरण : 1. 500 केवीए रेटिंग क्षमता वाले डीजी सेट का एसआईटीसी, जिसमें सेल्फ-स्टार्ट, एएमएफ पैनल और ध्वनिरोधी आवरण शामिल हैं, 3 फेज, 415 वोल्ट, नवीनतम प्रदूषण दिशानिर्देशों और तकनीकी विशिष्टताओं एवं साइट आवश्यकताओं (सीपीसीबी IV या नवीनतम के अनुसार) के अनुरूप पूर्ण है। विस्तृत तकनीकी विशिष्टताएँ परिशिष्ट-ए में संलग्न हैं। 2. 250 केवीए रेटिंग क्षमता वाले डीजी सेट का एसआईटीसी, जिसमें सेल्फ-स्टार्ट, एएमएफ पैनल और ध्वनिरोधी आवरण शामिल हैं, 3 फेज, 415 वोल्ट, नवीनतम प्रदूषण दिशानिर्देशों और तकनीकी विशिष्टताओं एवं साइट की आवश्यकताओं (सीपीसीबी IV या नवीनतम के अनुसार) के अनुरूप पूर्ण है। विस्तृत तकनीकी विशिष्टताएँ परिशिष्ट-ए में संलग्न हैं। 3. 125 केवीए रेटिंग क्षमता वाले डीजी सेट का एसआईटीसी, जिसमें सेल्फ-स्टार्ट, एएमएफ पैनल और ध्वनिरोधी आवरण शामिल हैं, 3 फेज, 415 वोल्ट, नवीनतम प्रदूषण दिशानिर्देशों और तकनीकी विशिष्टताओं एवं साइट की आवश्यकताओं (सीपीसीबी IV या नवीनतम के अनुसार) के अनुरूप पूर्ण है। विस्तृत तकनीकी विशिष्टताएँ परिशिष्ट-ए में संलग्न हैं। 4. 62.5 केवीए रेटिंग क्षमता वाले डीजी सेट का एसआईटीसी, जिसमें सेल्फ-स्टार्ट, एएमएफ पैनल और ध्वनिरोधी आवरण शामिल हैं, 3 फेज, 415 वोल्ट, नवीनतम प्रदूषण दिशानिर्देशों और तकनीकी विशिष्टताओं एवं साइट आवश्यकताओं (सीपीसीबी IV या नवीनतम के अनुसार) के अनुरूप पूर्ण है। विस्तृत तकनीकी विशिष्टताएँ परिशिष्ट-ए में संलग्न हैं।
मात्रा (नम्बर में) : 1. 03 नम्बर, 2. 01 नम्बर, 3. 01 नम्बर, 4. 01 नम्बर, कुल मात्रा= 06 नम्बर	
बयाना राशि (रु. में) : रु. 4,21,420.00	
अनुमानित मूल्य (रु. में) : रु. 2,10,70,850.00	
निविदा खुलने की तिथि : 01.04.2026, 11:00 AM	

नोट: पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेबसाइट www.gem.gov.in पर उपलब्ध है। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओं को ई-निविदा में भाग लेने तथा पंजीकरण कराने के लिए भारत सरकार आई टी अधिनियम 2000 के तहत मान्यकृत प्रमाणित एजेंसी से क्लास III डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नहीं किया है) प्राप्त करना होगा। मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

सं.: 50-S/LP/2026 दिनांक: 05.03.2026 739/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

हर्षोल्लास के साथ मनाई होली

श्रीनगर गढ़वाल : कीर्तिनगर, देवप्रयाग व नगर क्षेत्र में होली हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान लोगों ने टोलियों में घर-घर जाकर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान होल्यारों की टीमों को गुजिया भी दी गई। प्रगति विहार में रावत स्कूल ड्रेस की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दूसरी ओर देवप्रयाग व कीर्तिनगर में भी होल्यारों की टीमें घर-घर पहुंचीं। यहां संगम तट से लेकर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों तक पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर जमकर होली खेली। कीर्तिनगर में ढोल-दमाऊं की थाप और होली के गीतों के बीच लोगों ने रंगोत्सव मनाया। श्रीनगर में होल्यारों की टीमों में अजब सिंह रावत, गणेश भट्ट, देवेंद्र मणि मिश्रा, आरएसएस के जिला प्रचारक नरेश, हिमांशु अग्रवाल, संजय गुप्ता, प्रीति बडोनी, रेखा रावत, मोनिका कंडारी, सीमा भंडारी, डॉ. अजय गोयल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

ढोल-दमाऊं की थाप पर लोगों ने खेली होली

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय समेत पाबौ व थलीसैंण क्षेत्र में होली पर्व पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर और पानी की बौछार कर होली का आनंद लिया। बुधवार सुबह से ही मोहल्लों और बाजारों में होली का उत्साह दिखाई देने लगा। दोपहर तक पूरे मुख्यालय में रंगों का माहौल बना रहा और लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर होली की बधाई दी। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में कुल 43 लोग उपचार के लिए पहुंचे। नर्सिंग अधिकारी सौरभ शुक्ला ने बताया कि 25 लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल होकर अस्पताल पहुंचे, जबकि अन्य मामले नशेड़ियों से जुड़े हुए थे। इनमें से दो को भर्ती किया गया। बताया कि कई लोग अत्यधिक नशे की हालत में भी अस्पताल लाए गए। इस कारण 108 एम्बुलेंस सेवाएं भी व्यस्त रहीं, त्योहार को देखते हुए पुलिस पूरे दिन मुस्तैद रही।

पानी की आपूर्ति ठप, लोग परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय के कई मोहल्लों में गुरूवार को पानी की आपूर्ति ठप रही। जिस कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के अपर चोपड़ा, गड़ोली, छतरीधार, लोअर चोपड़ा आदि मोहल्लों में पानी की किल्लत से लोगों को जलस्त्रोतों व हैंडपंपों पर निर्भर रहना पड़ा। जल संस्थान के अपर सहायक अभियंता रवि दत्त ने बताया कि नानघाट पंपिंग योजना में बुधवार को बिजली की दिक्कत आने से पानी पंप नहीं किया जा सका। शुक्रवार से पानी की नियमित आपूर्ति बहाल होगी।

महिलाओं ने अवैध शराब की बिक्री पर जताया आक्रोश

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के ग्राम पंचायत सौड़ की महिलाओं ने अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ जुलूस निकालकर आक्रोश जताया। कहा कि शराब के कारण युवा पीढ़ी का भविष्य खराब होने के साथ सामाजिक समरसता भी समाप्त हो रही है। जिला पंचायत सदस्य गीता डबराल और सौड़ के ग्राम प्रधान चंद्रवीर चंद रमोला के नेतृत्व में महिलाओं ने ठांगधार क्षेत्र में जुलूस निकाल कर अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ शासन-प्रशासन से कठोर कार्यवाही करने की मांग की। महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर मुख्य सड़क पर अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि कई लोग दुकानों में खुले आम अवैध शराब की बिक्री करते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता भगवान चंद रमोला ने कहा कि नशे के खिलाफ सभी को एक जुट होकर खड़े होने की जरूरत है जिस तरह से गांव-गांव शराब की बिक्री हो रही है वह चिंता का विषय है।

बांध से मिलने वाली रॉयल्टी टिहरी के विकास कार्यों पर हो खर्च

नई टिहरी। टिहरी बांध से मिलने वाले 12 प्रतिशत रॉयल्टी को टिहरी जिले के विकास कार्यों पर खर्च किए जाने के साथ बांध विस्थापितों-प्रभावितों को निशुल्क बिजली-पानी दिए जाने की मांग को लेकर धरना छटवें दिन भी जारी रहा। बौराड़ी के गणेश चौक पर धरने पर बैठक सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी और पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष गंगा भगत सिंह नेगी ने कहा कि छह दिन बीत जाने के बाद भी शासन-प्रशासन ने धरने पर बैठे लोगों की कोई सुध नहीं ली है।

हजारों की संख्या में हरिद्वार पहुंचे भाजपाई

ऋषिकेश। हरिद्वार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सात मार्च को प्रस्तावित जनसभा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ऋषिकेश विधानसभा से चार हजार कार्यकर्ताओं का रैली शामिल होने का दावा है, जबकि डोईवाला विधानसभा से भी इतने ही कार्यकर्ता सभा के लिए कूच करेंगे। गुरुवार को सांगठनिक जिले ऋषिकेश के अध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल ने रेलवे रोड स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की। उन्होंने रैली की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं से जुटने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री एवं विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने ऋषिकेश विधानसभा अंतर्गत ऋषिकेश, रायवाला, वीरभद्र और श्यामपुर मंडल में चार हजार कार्यकर्ताओं को रैली तक पहुंचाने के लिए जिम्मेदारी भी सौंपी। मौके पर मेयर शंभू पासवान, राज्यमंत्री सुरेंद्र मोघा, जिला सह प्रभारी अमन त्यागी, मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष शिवम टुटेजा, महिला मोर्चा अध्यक्ष ममता नयाल, देवदत्त शर्मा, सरदार सतीश सिंह, राजपाल ठाकुर, नितिन सक्सेना, सत्यपाल राणा, अनिरूद्ध शर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं, डोईवाला में भी जिलाध्यक्ष ने केंद्रीय गृह मंत्री की जनसभा को लेकर संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा की। नगर पालिका सभागार में आयोजित बैठक में विधायक बृजभूषण गैरोला भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का आगमन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी रैली न सिर्फ संगठन को मजबूती देगी, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और विकास कार्यों का संदेश भी जनजन पहुंचाने का काम करेगी। उन्होंने विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्षों की जिम्मेदारियां भी तय की। रैली को सफल बनाने का आह्वान भी किया। पालिकाध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, उषा कोठारी, वंदना स्वामी, पंकज शर्मा, रश्मि देवी, सौरभ नौडियाल, संपूर्ण रावत, राजेश भट्ट, अनीता गुरुंग, राजकुमार राज, आदेश पंवार, मनमोहन नौटियाल, अमित कुमार, अवतार सिंह सैनी, प्रकाश कोठारी आदि मौजूद रहे।

बजट सत्र के दौरान गैरसैंण में भारी वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध

चमोली। गैरसैंण के भराड़ीसैंण में होने वाले बजट सत्र के दौरान वहां दिन के समय भारी वाहनों का अवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस ने सत्र के दौरान होने वाली गहमा गहमी को देखते हुए यह निर्णय लिया और इसके लिए तैयारी पूरी कर ली। भराड़ीसैंण में नौ मार्च से 13 मार्च तक बजट सत्र प्रस्तावित है। सत्र के दौरान किसी तरह की कोई समस्या न हो इसके लिए पुलिस तैयारियों में जुटी है। सत्र के दौरान गैरसैंण में वीआईपी वाहन, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ मीडिया का जमावड़ा लगेगा। साथ ही इस दौरान रैलियां भी होंगी। इसको देखते हुए पुलिस ने सत्र की अवधि (नौ से 13 मार्च) तक गैरसैंण-भराड़ीसैंण क्षेत्र में भारी वाहनों का आवागमन बंद रखा है। एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने बताया कि सुबह सात से रात आठ बजे तक गैरसैंण में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इस अवधि में यदि कोई अपना निजी सामान मंगवा रहे हों तो वे कर्णप्रयाग-सिमली, ग्वालदम मार्ग का प्रयोग कर सकते हैं। गैरसैंण के आसपास के लोग रात्रि के समय सामान मंगवा सकते हैं। दिन के समय भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

पानी के 17 टैंकर लगाएः कर्णप्रयाग। भराड़ीसैंण विधानसभा सत्र की तैयारियों में विभाग जुटे हैं। सत्र के दौरान पेयजल की कोई दिक्कत न हो इसके लिए जलसंस्थान के अधिकारी और कर्मी भराड़ीसैंण में डेरा डाले हैं। यहां ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों के लिए पानी के 17 टैंकर लगाए गए हैं। जलसंस्थान सहायक अभियंता दिनेश पुरोहित अपने अधीनस्थ कर्मियों के साथ विस परिसर में डटे हैं। हालांकि विधानसभा भवन, विधायक और मंत्री आवास सहित अधिकारियों के आवास पर पेयजल की सुविधा है लेकिन इसके अलावा बाहर ड्यूटी देने वाले सुरक्षा कर्मियों एवं अन्य कर्मियों के लिए अस्थायी रूप से पेयजल व्यवस्था में विभाग जुटा है। जलसंस्थान के अधिशासी अभियंता मुकेश कुमार ने बताया कि विधानसभा सत्र के लिए 17 टैंकर लगाए गए हैं जबकि कर्मियों के आवासीय व्यवस्था, शौचालय सहित अन्य जगह अस्थायी लाइनें बिछाई जा रही है। सत्र से पहले चयनित सभी जगह पर पेयजल आपूर्ति सुचारु कर दी जाएगी।

स्थायी राजधानी के लिए यूकेडी घेरेगी विधानसभा भवनः कर्णप्रयाग। स्थायी राजधानी गैरसैंण के लिए उत्तराखंड क्रांति दल नौ मार्च को विधानसभा भवन का घेराव और प्रदर्शन करेगा। इसके लिए यूकेडी ने विशेष रणनीति बनाई है।

सैंज गांव में अन्न भंडार व दोणी गांव में एक मकान जला

उत्तरकाशी। भटवाड़ी तहसील के ग्राम सैंज में बीते मंगलवार देर रात एक कुठार (अन्न भंडार) में अचानक भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह कुठार भागवत सिंह पंवार का था जिसमें रखा पूरा सामान जल गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ समय के लिए पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस और फायर सर्विस की टीम भी मौके के लिए रवाना हो गई थी। हालांकि तब तक ग्रामीणों ने आग को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया था। अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि या पशुहानि नहीं हुई। उधर, मोरी क्षेत्र की फतेपर्वत पट्टी के दौणी गांव के कुनोली तोक में होली के दिन देर शाम भीषण आग से एक आवासीय भवन जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया। घटना की सूचना मिलते ही मोरी से राजस्व एवं पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पाया। आग इतनी विकराल थी कि काफी प्रयासों के बावजूद घर में रखा राशन, कपड़े, नकदी सहित अन्य सामान नहीं बचाया जा सका। घटना के समय गांव के लोग होली का त्योहार मनाने में व्यस्त थे। बताया जा रहा है कि जले हुए भवन में देवीराम और प्रदीप प्रसाद दो भाइयों के परिवार निवास करते थे।

आंखों, त्वचा और बालों को केमिकल रंगों से नुकसान हुआ

हरिद्वार। होली पर शहर में सस्ते केमिकल युक्त रंगों ने लोगों की आंखों, त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचाया। गुरुवार को विभिन्न अस्पतालों में बड़ी संख्या में लोग आंख और त्वचा का इलाज कराने पहुंचे। होली के दिन करीब 35 लोगों की आंखों और त्वचा पर बुरा असर पड़ा। कनखल के आशु शर्मा ने बताया कि होली खेलते समय केमिकल रंग लगने से उनकी आंखों में तेज जलन होने लगी। आंखें लाल हो गईं और काफी देर तक जलन बनी रही। परेशानी बढ़ने पर निजी डॉक्टर से परामर्श लेना पड़ा। हरिद्वार के हरीश कुमार ने बताया कि एक मित्र ने गलती से केमिकल युक्त रंग लगा दिया, जिससे बच्चों की त्वचा पर एलर्जी हो गई। त्वचा पर छोटे-छोटे लाल दाने निकल आए। डॉक्टर ने करीब 15 दिन तक इलाज की सलाह दी है। उनकी खुद की त्वचा पर भी खुजली की समस्या बनी हुई है। वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. के. स्वरूप ने बताया कि गुरुवार को क्लीनिक पहुंचे करीब 30 में से 12 मरीज ऐसे थे, जिनकी त्वचा में खुजली और पानी वाले छोटे लाल दाने निकल आए थे। त्वचा को सुबह के समय सादे पानी से धोना चाहिए। घर पर बिना सलाह कोई दवा नहीं लगानी चाहिए।

अमृत 2.0 के अंतर्गत जल संरक्षण व पुर्नभरण की परियोजनाओं को मंजूरी

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में अटफवळ 2.0 के अंतर्गत गठित हाई पावर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा भू-जल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाने से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श करते हुए उन्हें अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में लघु सिंचाई विभाग, नैनीताल की योजनाओं के अंतर्गत हल्द्वानी व नैनीताल क्षेत्र में जल पुनर्भरण संरचनाओं के विकास तथा पार्कों के सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों को स्वीकृति दी गई। इनमें हरिहर कॉलोनी हल्द्वानी, विश्वविद्यालय हल्द्वानी, उषा रूपक कॉलोनी नैनीताल तथा सुदर्शन कॉलोनी हल्द्वानी में जल पुनर्भरण के विकास एवं पार्कों के सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं।

इसी प्रकार लघु सिंचाई विभाग, हरिद्वार की योजनाओं के अंतर्गत बहादराबाद में वर्षा जल संचयन के तहत रिचार्ज शाफ्ट की स्थापना, रामधाम कॉलोनी पार्क शिवालिक नगर में संचयनित जल से भू-जल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण तथा राजलोक कॉलोनी पार्क नगर निगम हरिद्वार में भू-जल रिचार्ज से संबंधित परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में नगर पंचायत इमलीखेड़ा (हरिद्वार) द्वारा रांगड़वाला में स्थित तालाब के रेनोवेशन की योजना को भी मंजूरी दी गई।

इसके अतिरिक्त लघु सिंचाई विभाग, देहरादून की योजनाओं के अंतर्गत नवादा क्षेत्र में तालाब के नवीनीकरण एवं रिचार्ज शाफ्ट निर्माण तथा डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में रिचार्ज शाफ्ट निर्माण के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई।

होली का त्योहार जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नई टिहरी। होली का पर्व जिलेभर में आपसी भाई-चारे के साथ धूमधाम से मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। बौराड़ी स्टेडियम में नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत की ओर से आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने ढोल-दमाऊं की थाप पर सामूहिक रूप से होली खेली।भाजपा कार्यालय में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष उदय रावत, पूर्व मंत्री दिनेश धनाई और एससी आयोग की सदस्य सुनीता देवी ने पार्टी कार्यकर्ताओं का टीका लगाकर स्वागत किया। डीएम नितिका खंडेलवाल ने भी आवास पर पहुंचे लोगों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। एसएसपी आयुष अग्रवाल के आवास में भी होली का त्योहार भव्य रूप से मनाया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने डीजे की धुन पर थिरकते हुए एक-दूसरे को खुशियों का रंग लगाया। नैनबाग क्षेत्र में भी होली का त्योहार उल्लास के साथ मनाया गया। होल्यारों ने ढ़ोल-नगाड़ों की धुन पर तांदी और रांसो नृत्य किया और एक-दूसरे पर खूब रंग लगाया। नैनबाग के टटोर, पांव, कोटी, जयद्वार, नैनगांव, मरोड़ आदि गांवों में होली का पर्व स्थानीय रीति- रिवाज के साथ मनाया गया। उधर थत्यूड़ क्षेत्र के ग्राम खेड़ा, पापरा, बंगसील, मोलधार, ओतड़, और परोड़ी आदि गांवों में लोगों ने एक-दूसरे पर रंगो की बौछार की। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबीर पंवार, प्रधान कुलबीर रावत, कृपाल सिंह रावत आदि मौजूद थे।

शराब प्रतिबंधित गांव में शांतिपूर्वक मना उत्सव

चमोली। विकासखंड के दस से अधिक गांवों में हुई शराबंदी का असर इस बार की होली में दिखा। शराब प्रतिबंधित गांव में होली पर लोग शराब पीते-पिलाते नहीं दिखे। ब्लॉक के घेस, हिमनी, बलाण, तलौर, पदमल्ला, रैन, सवाड़, मानमती सहित दस से अधिक गांवों में महिलाओं के प्रयास से शराब पर पूर्ण प्रतिबंध है। शराब परोसने वालों के खिलाफ अर्थदंड व सामाजिक बहिष्कार का प्रस्ताव पास किया गया है। प्रतिबंध होने के बाद से पहली बार होली के त्योहार पर शराब का प्रचलन नहीं दिखा। महिलाओं ने होली के गीत गाकर एक दूसरे को बधाई दी गई। वहीं घेस गांव में प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने होली का आयोजन किया। घेस की महिला मंगल दल अध्यक्ष बेला देवी ने बताया कि शराब बंदी का असर इस बार वास्तव में देखने को मिला है।

छोटी सावधानियां भी बड़े हादसों को रोक सकती हैं

नई टिहरी। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भागीरथीपुरम में चार से 10 मार्च तक 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया है। इसकी थीम सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को जोड़ें, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं रखी गई है। बताया गया कि छोटी सावधानियां भी बड़े हादसों को रोक सकती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टीसी) एमके सिंह ने सुरक्षा ध्वज का झंडारोहण किया। उन्होंने सभी कार्मिकों को सुरक्षा सप्ताह की शपथ दिलाई।

उन्होंने सभी कार्मिकों को सुरक्षा बैच वितरित किए। उन्होंने कहा कि यह सप्ताह हमें अपने कार्यस्थल और दैनिक जीवन में सुरक्षा के महत्व को समझने और उसे अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष का विषय सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को जोड़ें, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं, हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित नहीं है बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी संस्थान की प्रगति तभी संभव है जब वहां कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के तहत सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अग्नि सुरक्षा से कार्यस्थलों पर बचाव एवं नियंत्रण विषयक प्रशिक्षण आदि का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा) बीडी सेमवाल, अपर महाप्रबंधक (ओएंड एम) भगत सिंह, उप महाप्रबंधक (एचआर) मोहन सिंह श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) हरीश भट्ट आदि मौजूद थे।

सर्जिकल कॉटन कंपनी में आग, चार घंटे लगे बुझाने में

हरिद्वार। बहादराबाद में वर्धमान इंडस्ट्रियल एरिया की सिक्योर सर्जिकल कॉटन कंपनी में बुधवार सुबह आग लग गई। इससे आसपास की कंपनियों में दहशत का माहौल बन गया। कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। दूसरी ओर, फायर ब्रिगेड ने करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बुधवार सुबह बहादराबाद में पतंजलि योगपीठ के पास इस कंपनी से अचानक आग की लपटें और काला धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की तीव्रता के कारण आसपास की कंपनियों तक इसके फैलने का खतरा पैदा हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत फायर विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही बहादराबाद फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग काबू न होने पर मायापुर फायर स्टेशन से दो अतिरिक्त फायर यूनिट भी बुलानी पड़ीं। इसके बाद संयुक्त प्रयास से आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के बाद कंपनी के कर्मचारी समय रहते सुरक्षित बाहर निकल गए। हालांकि, कंपनी में रखा कॉटन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। एसएफओ बीरबल सिंह ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। इस मामले की जांच की जा रही है।

नहर टूटी, खेतों की नहीं हो पा रही सिंचाई

रुद्रप्रयाग। ग्राम पंचायत बांसी के मोल्दा तोक में नहर क्षतिग्रस्त होने से 22 परिवारों के खतों तक पानी नही पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि एक सप्ताह में समस्या का समाधान नही हुआ तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगे। क्षेत्र पंचायत सदस्य बिपेंद्र सिंह बिष्ट के नेतृत्व में काश्तकारों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा।

उन्होंने बताया कि धारी फिटर फर्स्ट नहर में चल रहे पुनर्निर्माण कार्य के कारण बांसी की दोनों नहरें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। इससे खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा और फसलें प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना किसानों से राय-मशविरा किए कार्य शुरू किया गया जिससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त कृषि भूमि पर वर्तमान में नियमित रूप से खेती की जाती है लेकिन नहरों के क्षतिग्रस्त होने से खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इससे फसलों को भारी नुकसान हो रहा है।

लोगों से खचाखच भरा रहा रामलीला मैदान

चमोली। चमोली जनपद में होली पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। लोग रंगों से सराबोर होकर मस्ती में डूबे रहे। पूरे जिले में होली का त्योहार शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

किसी क्षेत्र से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं आई है। गोपीनीथ मंदिर की होली रामलीला मैदान में खेली गई जो लोगों से भरा रहा। गोपेश्वर की ऐतिहासिक होली का कार्यक्रम इस बार गोपीनाथ मंदिर परिसर से हटाकर रामलीला मैदान में किया गया। यह मैदान मंदिर परिसर से काफी बड़ा है उसके बावजूद यह मैदान खचाखच भरा रहा। पूर्वाह्न 11 बजे के आसपास इतनी भीड़ बढ़ गई कि इस मैदान में जगह कम पड़ने लगी। लोग सुबह से ही मैदान में जुटने लग गए। लोग घरों में होली खेलने के बाद रामलीला मैदान पहुंचे और डीजे पर बजने वाले गीतों पर लोग जमकर थिरके। इसमें सर्वाधिक संख्या युवाओं की रही। दोपहर एक बजे यहां पर होली का कार्यक्रम संपन्न कर दिया गया। उधर ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर परिसर में भी होली कार्यक्रम हुआ। पीपलकोटी, पोखरी, नंदप्रयाग, नंदानगर, चमोली बाजार सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने जमकर होली खेली। वहीं कर्णप्रयाग में उमा देवी मंदिर, अपर बाजार, मुख्य बाजार सहित सुभाषनगर के उमा देवी मंदिर परिसर में सामूहिक नृत्य कर होली मनाई गई।

बिरही में टिटरी तोक के जंगल दो दिन से आग में जल रहे

चमोली। बिरही के जंगल दो दिन से आग से धधक रहे हैं। यहां टिटरी तोक में लगी आग अब दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच गई है। आग इतनी विकराल है कि काबू पाना मुश्किल हो रहा है। कई हेक्टेयर वन संपदा जल चुकी है। वहीं सोनला के समीप कोट कंडारा के चीड़ के जंगलों में आग लगी है। इधर पीपलकोटी के सांगलचाड़ा तोक के जंगलों में लगी आग दो दिन बाद वन विभाग की टीम ने बुझा ली है। जंगलों में आग लगी होने से वातावरण में गहरी धुंध छा गई है। बिरही के टिटरी तोक में चीड़ के पेड़ और सूखी घास है। बुधवार सुबह करीब नौ बजे असामाजिक तत्वों ने बिरही के जंगल में आग लगा दी। देखते ही देखते आग विकराल हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बदरीनाथ वन प्रभाग के अधिकारियों को दी। फायर वाचर और अन्य वन कर्मी मौके पर आग बुझाने पहुंचे मगर आग की लपटें तेज होने से वे आग काबू नहीं कर पाए। गाड़ी गांव के प्रकाश सिंह, विकास और अव्वल सिंह का कहना है कि बिरही-निजमुला सड़क के ऊपरी हिस्से में आग लगने से कई हेक्टेयर भू-भाग पर वन संपदा जल गई है। इधर बदरीनाथ वन प्रभाग के डीएफओ सर्वेश दुबे का कहना है कि जंगलों में आग लगने की सूचना मिलने पर वन कर्मियों की टीम मौके पर भेजी गई है। पीपलकोटी के सांगलचाड़ा तोक में आग को बुझा लिया गयाा है। जल्द ही अन्य जगहों पर जंगलों की आग को काबू कर लिया जाएगा।

कई हेक्टेयर जंगल जले, हाईवे पर गिर रहे पेड़ः कर्णप्रयाग। कर्णप्रयाग नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत जीजीआईसी के ऊपर जंगलों में लगी आग ने पूरी वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि यहां देर रात तक वन विभाग ने आग पर काबू पा लिया। वहीं आग के कारण स्टेट हाईवे थराली देवाल मार्ग पर पेड़ और पत्थर गिरे। थराली के बदरीनाथ वन प्रभाग के अंतर्गत मध्य पिंडर रेंज में चेपड़ों और सौगांव के जंगल में लगी आग पर 12 घंटे बाद वन विभाग ने काबू पा लिया। आग चेपड़ों, खाड़ीबगड़, सौगांव जूनिधार और गोठिंडा के जंगलों तक फैल गई थी जिससे चेपड़ों गांव की गोशालाओं को खतरा बन गया था। वहीं आग की लपटें जूनिधार गांव तक पहुंच गई थीं। इस आग का असर लगभग 20 हेक्टेयर वन भूमि पर हुआ। बृहस्पतिवार तड़के सुबह तीन बजे आग पर काबू पाया गया। खड़ी चट्टान और घने चीड़ के लीसे वाले जंगलों में आग लगने से जलते हुए पेड़ और पत्थर स्टेट हाईवे थराली देवाल मार्ग पर भी गिर रहे थे जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों और राहगीर जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ी। मध्य पिंडर रेंज के वन क्षेत्राअधिकारी मनोज देवराड़ी का कहना है कि आग पूरी तरह बुझा दी गई है। वहीं नारायणबगड़ में वनाग्नि से जाख, कड़ाकोट, नारायणबगड़, कठालीगाड़, टेंटुड़ा, मानूर, बेड़गांव, कौब, भगोती, केवर आदि गांवों के जंगल में आग से सैकड़ों हेक्टेयर वनसंपदा नष्ट होने से वन्यजीवों का जीवन संकट में आ गया है। पश्चिमी पिंडर रेंज के वनक्षेत्राधिकारी अखिलेश भट्ट ने बताया कि खड़ी चट्टानें और पहाड़ी होने के कारण वनकर्मियों को आग बुझाने में परेशानियों का सामना करना पड़ा था। मगर अब आग पर नियंत्रण पा लिया गया है। वनकर्मी क्षेत्र में लगातार शरारती तत्वों की निगरानी कर रहे हैं।

घास के ढेर पर लगी आग फायर ब्रिगेड ने बुझाईः आदिबदरी। तहसील के बौली में एक आवसीय घर से सटे घास के दो ढेर (खुम) में लगी आग ने विकराल रूप धारण किया।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com